गुणता क्षेत्र 1

FDCQA *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका (Quality Practices Guide)* का सार

निम्न प्रस्तावनाऐं पारिवारिक दैनिक देखभाल गुणवत्ता आश्वासन (FDCQA) *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका* (द्वितीय संस्करण, 2004) से ली गई हैं। ये प्रस्तावनाऐं हर सिद्धांत के सूचकों को मजबूत करती हैं और देखभाल के हर पहलू का संदर्भ और उद्देश्य प्रदान करती हैं। ये प्रस्तावनाऐं बच्चों और उनके परिवारों के लिए वांछित परिणामों को बेहतर रूप से समझ पाने को सुनिश्चित करेंगी ।गुणता सूचकों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया FDCQA *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका (Quality Practices Guide)* को देखें।

परस्पर संबंध

एक सफल कार्यक्रम के लिए बच्चों. परिवारों, देखभालकर्ताओं और संयोजक यूनिट स्टाफ़ के बीच सकारात्मक पारस्परिक संबंध आवश्यक हैं और इन्हें योजना (Scheme) और विस्तृत समुदाय में विश्वसनीय संबंधों के विकास, साझेदारी व मिल जुल कर कार्य करने का समर्थन करना चाहिए।

परिवारों के साथ साझेदारीयों को उत्तरदायी और सहायक देखभालकर्ताओं, संयोजक यूनिट स्टाफ़ और प्रबंधक वर्ग द्वारा बढ़ावा दिया जाता है और ये कार्यक्रम प्रारंभ से ले कर निरन्तर रूप से चल रहे जानकारी बांटने के हर पहलू के लिए मूलभूत हैं। यह विशेषरूप से आवश्यक है कि बच्चे परस्पर ऐसे संबंधों का अनुभव करें जो उन्हें महत्त्वपूर्ण सम्मानित और योग्य होने का अहसास कराते हैं। बच्चे जैसे जैसे अपनी बातचीत व समस्या सुलझाने की निपुणताओं को विकसित करते हैं, वयस्क नम्र, गंभीर और प्रभावशाली बातचीत का नमूना पेश कर बच्चों को सहायता देते हैं।

परस्पर संबंध यह सुनिश्चित करें कि सेवा में सभी दावेदार महत्त्वपूर्ण व सम्मानित होने का अनुभव करें और हर व्यक्ति की विभिन्न पृष्ठभूमि, आवश्यकताओं और बातचीत की निपुणता को ध्यान रखें। प्रभावशाली बातचीत की रणनीतियां दावेदारों से निरन्तर सलाह करके विकसित की जा सकती हैं और उन पर नियमित रूप से पुनर्विचार भी होना चाहिए। पारस्परिक संबंध जो सम्मान, तदनुभूति, सहयोग और व्यावसायिकता पर आधारित होते हैं ये सम्पूर्ण बातचीत का सफल व सकारात्मक होना सुनिश्चित करते हैं।

सिद्धांत 1.1ः देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ सभी बच्चों के साथ स्नेहपूर्ण, मैत्रीपूर्ण व सम्मान पूर्वक तरीके के संबंध बनाऐं

सिद्धांत 1.2ः संयोजक यूनिट स्टाफ़ और परिवारों के मध्य प्रभावशाली रूप से बातचीत हो और बच्चों की इस देखभाल में स्थान पाने का समर्थन करें

सिद्धांत 1.3ः देखभालकर्ताओं और परिवारों के बीच प्रभावशाली रूप से बातचीत हो और परिवार व बच्चों की देखभाल में व्यवस्थित होने के लिए मदद करती है

सिद्धांत 1.4ः देखभालकर्ता के निजी व पारिवारिक आयोजन एक सकारात्मक वातावरण प्रदान करते हैं और दैनिक देखभाल के प्रावधान का समर्थन करते हैं

सिद्धांत 1.5ः योजना के अर्न्तगत आपसी संबंध विभिन्नता, मिल जुल कर काम करने, परस्पर आदर, समझ और व्यावसायिकता को मान देते हैं

© Australian Government 2004.
This document is an extract from the Family Day Care Quality Assurance (FDCQA) *Quality Practices Guide* (2nd edition, 2004) published by the National Childcare Accreditation Council (NCAC) Inc.

सिद्धांत 1.1

देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ सभी बच्चों के साथ स्नेहपूर्ण, मैत्रीपूर्ण व सम्मान पूर्वक तरीके के संबंध बनाऐं।

पारिवारिक दैनिक देखभाल का वातावरण बच्चो, देखभालकर्ताओं और संयोजक यूनिट स्टाफ़ के बीच प्रसन्नता से शामिल होने को दर्शाता है। जब देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों को सच्चाई से सुनने व उनसे बात करने के लिए समय लगाते हैं तब वे प्रत्येक बच्चे को अच्छे से जान लेते हैं। ये सच्चे पारस्परिक संबंध बच्चों की विशेष पृष्ठभूमियां और योग्यताओं को समझने में एक अभिन्न भाग अदा करते हैं।

देखभालकर्ता और संोजक यूनिट स्टाफ़ सभी बच्चों को एक समान बातचीत करने के भागीदार समझते है, इनमें न बोलने वाले व जिन बच्चों की विशिष्ट बातचीत करने की जरुरतें हैं वे भी शामिल हैं। देखभालकर्ता व संोजक यूनिट स्टाफ़ जो उनकी देखभाल में किसी बच्चे के साथ बातचीत करने में मुश्किल महसूस कर रहे हैं, वे बच्चे के परिवार, अपने सहकर्मियों व अन्य ऐजेन्सियों से जानकारी व मदद प्राप्त कर सकते हैं।

पारिवारिक दैनिक देखभाल की व्यवस्था में जो बच्चे आदर निष्पक्षता, स्वीकृति, सहयोग और तदनुभूति पर आधारित संबंधों का अनुभव करते हैं वे इन गुणों को स्वयं भी दर्शाना सीखते हैं।

बच्चों के लिए जरूरी है कि वे पारिवारिक दैनिक देखभाल के वातावरण को सुरक्षित व संरक्षित स्थान समझ सकें जहां उन्हे बिना किसी शर्त के स्वीकार किया जाता है। बच्चों में सच्ची रूचि और उनके प्रति आदर दिखा कर, देखभालकर्ता व संोजक यूनिट स्टाफ़ उन्हें महत्त्वपूर्ण, योग्य व विश्वस्त महसूस करने में मदद करते है।

घर से पारिवारिक दैनिक देखभाल व्यवस्था में परिवर्तन बच्चे के लिए तनावपूर्ण हो सकता है। कई बच्चों को यह परिवर्तन लम्बे समय तक के लिए मुश्किल लग सकता है। देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ को परिवारों के साथ कार्य कर उन रणनीतियों को विकसित करना होगा जो बच्चे की व्यथा को समझती हैं और घर से देखभाल में आने के परिवर्तन को आसान करती हैं।

उदाहरण के लिएः

- यह सुनिश्चित कर के कि देखभाल का वातावरण और दिनचर्याऐं पहले से निश्चित हैं
- बच्चों की जानी पहचानी भाषा, बातचीत के तरीके और परम्पराओं का प्रयोग करके
- बच्चों के परिवार द्वारा प्रयोग किए जाने वाली समान दिनचर्याओं को विकसित करके। उदाहरण के लिए परिवार के सदस्य से अलग होते समय, दिन के अंत में दोबारा मिलने के समय, बच्चों को सुलाने की कोशिश और खिलाने के तरीके
- स्नेहपूर्ण, मिलनसार और उत्तरदायी बनकर

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 1.2
संयोजक यूनिट स्टाफ़ और परिवारों के मध्य प्रभावशाली रूप से बातचीत हो और बच्चे का इस देखभाल में स्थान पाने का समर्थन करें।

पारिवारिक दैनिक देखभाल के ढांचे में संयोजक यूनिट स्टाफ़ और परिवारों में मजबूत संबंध बनाए रखना एक चुनौती है। संयोजक यूनिट स्टाफ़ अक्सर परिवारों से खुले रूप से परस्पर बातचीत करने व इसे बनाए रखने में अग्रणी होता है। दाखिले की कार्यविधि इस प्रकिया को शुरु करने में एक महत्त्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है और संयोजक यूनिट स्टाफ़ इस समय उन परिवारों के साथ परस्पर बातचीत बनाए रखने के उत्तम तरीकों के बारे में बात करता है।

अपने बच्चों के लिए देखभाल सेवा ढूंढने वाले परिवार इस बारे में अस्पष्ट हो सकते हैं कि पारिवारिक दैनिक देखभाल से क्या आशा कीजा सकती है। यह महत्त्वपूर्ण है कि संयोजक यूनिट स्टाफ़ स्पष्ट रूपसे बता सके कि पारिवारिक दैनिक देखभाल कैसे कार्य करती है औरकिन तरीकों से योजना परिवार की देखभाल की जरूरतों को पूरा कर सकती है।

संयोजक यूनिट स्टाफ़ को यह स्पष्ट समझना चाहिए कि परिवार को किस जानकारी की आवश्यकता तुरन्त है और किस बात की बाद तक प्रतीक्षा की जा सकती है। पुस्तिका के साथ आरंभिक बातचीत का अनुसरण करने से परिवारों को उनकी जरूरत के अनुसार अधिक जानकारी मिल सकती है।

संयोजक यूनिट स्टाफ़ की एक योजना यह सुनिश्चत करने के लिए है कि वे पारिवारिक दैनिक देखभाल योजना की जानकारी प्रदान कर सकें और उन परिवारों के साथ बातचीत बनाए रख सकें जिनके लिए साक्षरता एक समस्या है और जिनकी मातृ भाषा अंग्रेज़ी नहीं है।

परिवारों को योजना में विश्वास प्राप्त होता है जब :

- संयोजक यूनिट स्टाफ़ केन्द्र में स्थान दिए जाने का ध्यान से निरीक्षण करता है
- जब उन्हें संयोजक यूनिट स्टाफ़ से लगातार सहायता व संपर्क मिलता रहे
- सेवा की गुणवत्ता के बारे में उनकी प्रतिपुष्टि को प्रसन्नता से स्वीकार किया जाए व उसे महत्त्व दिया जाए
- जब उनके बच्चे को देखभालकर्ता प्राप्त नहीं होता उन्हें उस समय वैकल्पिक देखभाल ढूंढने में मदद दी जाती है

परिवारों के साथ सफल रूप से कार्य करने के लिए संयोजक यूनिट स्टाफ़ लगातार उनके साथ अपने संबंधों का अवलोकन करते हैं और प्रभावशाली तरीके से बातचीत करना सीखने के अवसरों का उपयोग करते हैं। देखभाल में स्थान प्राप्ति का सहयोग देने के लिए परिवारों की वर्तमान व सही जानकारी प्रदान करने के उत्तरदायित्व, उदाहरण के लिए, संपर्क विवरण और बीमारी के टीकों के बारे में स्पष्ट रूप से बताया जाता है।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 1.3
देखभालकर्ताओं और परिवारों के बीच प्रभावशाली रूप से बातचीत हो और जिससे परिवार व बच्चों को देखभाल में व्यवस्थित होने के लिए मदद मिले

परिवारों व देखभालकर्ताओं के बीच भागेदारी परस्पर सम्मान व विश्वास पर आधारित होती है।

यह महत्त्वपूर्ण है कि जब बच्चा उनकी देखभाल में हो, देखभालकर्ता विश्वास के इस स्तर को कभी कम महत्त्व न दें। परिवारों के साथ भागेदारी स्थापित करने में समय लग सकता है और यह निष्पक्ष व ईमानदारी से हुई बातचीत पर निर्भर करता है। जब देखभालकर्ता बातचीत शुरू करने, परिवार को अधिकार देने और विश्वास बढ़ाने में पहल करते हैं , वे सामान्यतः बच्चों के लिए सकारात्मक परिणामों वाली मजबूत सहयोगी भागेदारी प्राप्त करते हैं।

परिवारों के साथ विश्वसनीय भागेदारी विकसित करने व उसे बनाए रखने के लिए देखभालकर्ता :

- अपने बारे में और अपने परिवार के बारे में, अपनी देखभाल की दिनचर्या, चलन और अपेक्षाओं की जानकारी प्रदान करते हैं
- परिवारों को सुनते हैं और उन्हें अपनी सोच, विचार, परेशानियों और प्रश्नों को आपस में बांटने के लिए प्रोत्साहित करते हैं
- परिवार के दृष्टिकोण से बच्चे के बारे में जानते हैं
- सभी परिवारों के साथ समान रूप से बिना किसी पक्षपात के व्यवहार करते हैं और बिना किसी टिप्पणी के उनके निर्णयों का सम्मान करते हैं।
- बच्चों के देखभाल केन्द्र व घर के अनुभवों की जानकारी को नियमित रूप से आपस में बांटते हैं।
- यह मानते हैं कि हर परिवार और इसलिए हर संबंध विशेष होता है परिवार और / या देखभालकर्ता के लिए चिंताजनक विषय उठ सकते हैं। यह महत्त्वपूर्ण है कि उन विषयों पर खुले रूप से उस समय चर्चा की जाए जब दोनों पक्ष के लोग अपना पूरा ध्यान दे सकें।

देखभालकर्ता और परिवारों के बीच जितना मज़बूत संबंध होगा उतना ही भावुक विषयों को उठाना आसान होगा। हालांकि, जिन स्थितियों में देखभालकर्ता और परिवार को हल ढूंढना मुश्किल लगे वहां संयोजक यूनिट स्टाफ़ को बातचीत में शामिल करना सहायक हो सकता है।

परिवारों के साथ व्यावसायिक भागेदारी बनाना मित्रता बनाने जैसा नहीं है। यद्यपि भागेदारी व मित्रता में कुछ मिलते जुलते लक्षण होते हैं, देखभालकर्ता और परिवारों में हमेशा बच्चा भागेदारी का केन्द्र होता है।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 1.4

देखभालकर्ता के निजी व पारिवारिक आयोजन एक सकारात्मक वातावरण प्रदान करते हैं और दैनिक देखभाल के प्राविधान का समर्थन करते हैं

मुख्य देखभाल केन्द्र का वातावरण भी पारिवारिक घर है। पारिवारिक घर को व्यावसायिक शिशु देखभाल वातावरण की तरह प्रयोग करने का फैसला ठोस सलाह पर आधारित होना चाहिए व देखभालकर्ता के सारे परिवार की सलाह से होना चाहिए।

संयोजक यूनिट स्टाफ़ का उत्तरदायित्व है कि वह स्पष्ट रूप से वर्णन करें कि देखभालकर्ता और उनके परिवार द्वारा घर में पारिवारिक दैनिक देखभाल सेवा प्रदान करने पर क्या अपेक्षित होगा। लिखित रूप में यह जानकारी पूरे परिवार को फैसला करने में उपयोगी साधन होगा।

देखभालकर्ता व उसके परिवार को संयोजक यूनिट स्टाफ़ के साथ मिल कर साझे वातावरण के प्रबंध के लिए रणनीतियां विकसित करनी होंगी। उदाहरण के लिए निम्न के प्रबंध से संबंधित रणनीतियां :

- समय
- स्थान
- टेलीविज़न, कम्प्यूटर, निजी खिलौने, बिस्तरे, कार और अन्य सामान जैसे साधन
- कर्तव्य व उत्तरदायित्व
- परिवार की गोपनीयता
- पारिवारिक व व्यावसायिक वचनबद्धताओं और उत्तरदायित्वों का संतुलना
- स्नानगृह, शौचालय और सोने के कमरे जैसी सुविधाएं

देखभालकर्ता के परिवार के सदस्य बच्चों की पारिवारिक दैनिक देखभाल में एक महत्त्वपूर्ण भाग अदा करते हैं। यह महत्त्वपूर्ण है कि देखभाल में बच्चों और उनके परिवारों के साथ सभी पारस्परिक संबंध सकारात्मक और आदरपूर्ण हों। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि देखभालकर्ता व उनके परिवार के सदस्य सम्मान व समझदारी का नमूना पेश करें।

देखभालकर्ता व्यावसायिक और घरेलू या पारिवारिक गतिविधियों में उचित संतुलन बनाने व उसे बनाए रखने के लिए अनेक प्रकार की रणनीतियों का प्रयोग करते हैं। ये रणनीतियां देखभालकर्ता के परिवार सेवा का प्रयोग करने वाले परिवारों व संयोजक यूनिट स्टाफ़ की सलाह के साथ विकसित की जाएंगी।

© Australian Government 2004

सिद्धांत 1.5

योजना के अन्तर्गत आपसी संबंध विभिन्नता, मिल जुल कर काम करने, परस्पर आदर, समझ और व्यावसायिकता को मान देते हैं

देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों के लिए उच्च कोटि की देखभाल प्रदान करने के लिए वचनबद्ध लोगों का एक दल है। देखभालकर्ताओं और संयोजक यूनिट स्टाफ़ में प्रभावशाली बातचीत स्थापित करना एक सहयोगी, विश्वसनीय मार्ग को सुनिश्चित करता है और देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ में सच्चे सामूहिक कार्य को सुगम बनाता है।

जब देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ स्वयं को महत्त्वपूर्ण और बराबर के भागीदार महसूस करते हैं, तब वे बच्चों और उनके परिवारों के लिए सफल परिणामों को लाने वाले साझे लक्ष्यों पर मिल कर काम करेंगे।

सच्ची भागेदारी की स्थापना और दल के रूप में कार्य करने के लिए प्रभावशाली बातचीत एक प्रमुख साधन है। देखभालकर्ताओं व संयोजक यूनिट स्टाफ़ में सच्ची भागेदारी निम्न के द्वारा मज़बूत की जा सकती है :

- परस्पर सम्मान व विश्वास
- निरन्तर चलने वाली खुली व द्विपक्षीय बातचीत
- साझे रूप से फैसला करना
- तदनुभूति और समझ
- एक दूसरे की ताकत व कुशलताओं की पहचान व प्रयोग
- विरोध और प्रतिस्पर्धा का अभाव
- जानकारी तक पहुंच

जबकि कुछ मामलों में देखभालकर्ता अकेलेपन में कार्य करते हैं तथापि वे अकेले काम नहीं करते। पारिवारिक दैनिक देखभाल स्थानीय समुदाय का हिस्सा है जिसकी सदस्यता द्वारा परिवारों और बच्चों को सहयोग देने के लिए अनेकों साधन उपलब्ध हैं। बच्चों व उनके परिवारों के साथ काम करते हुए दूसरी एजेन्सियों के साथ सक्रिय व प्रबल संबंध स्थापित करना व उन्हें बनाए रखना देखभालकर्ताओं और संयोजक यूनिट स्टाफ़ के लिए एक साधन हो सकता है।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

गुणता क्षेत्र 2

FDCQA *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका (Quality Practices Guide)* का सार

निम्न प्रस्तावनाऐ पारिवारिक दैनिक देखभाल गुणवत्ता आश्वासन (FDCQA) *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका* (द्वितीय संस्करण, 2004) से ली गई है। ये प्रस्तावनाऐं हर सिद्धांत के सूचको को मजबूत करती है और देखभाल के हर पहलू का संदर्भ और उद्देश्य प्रदान करती हैं। ये प्रस्तावनाऐ बच्चो और उनके परिवारो के लिए वांछित परिणामो को बेहतर रूप से समझ पाने को सुनिश्चित करेंगी।गुणता सूचको के बारे मे अधिक जानकारी के लिए कृपया FDCQA *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका (Quality Practices Guide)* को देखे।

भौतिक वातावरण

वे वातावरण जो प्रसन्नता से स्वीकार करने वाले, सुरक्षित साधनों से भरपूर और सौन्दर्य से आर्कषित करने वाले होते हैं वे बच्चों और उनके परिवारों को पारिवारिक दैनिक देखभाल को प्राप्त करने व वहां नियोजित होने में मदद करते हैं और बच्चों के लिए सीखने की प्रभावी स्थितियों को बढ़ावा देते हैं। बच्चों के खेल व विकास का समर्थन करने वाले भौतिक वातावरण की योजना करते समय देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ सभी बच्चों को अपनी निजी जरुरतों और सामर्थ्य स्तर के अनुसार खोज, अनुभव व फैसले करने देने वाले एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए इकट्ठे काम करते हैं।

भौतिक वातावरण के लिए योजना करते समय और साधन प्राप्त करते समय देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ हर बच्चे और उसके परिवार की जरूरतों व पृष्ठभूमियों, मौजूदा पारिवारिक दैनिक देखभाल घर, संयोजक यूनिट के वातावरण और खर्चों जैसे तथ्यों को ध्यान में रखता है।

देखभालकर्ता आवश्यकतानुसार व नवीन तरीकों द्वारा सस्ते साधनों का प्रयोग करके बच्चों के सीखने के अनुभव बढ़ाते हैं।संबंधित व्यावसायिक विकास के अवसर व दूसरे देखभालकर्ताओं केसाथ मिल कर काम करने के अवसरों द्वारा देखभालकर्ताओं को अपनी रचनात्मक योजना के लिए कौशल व रणनीतियां विकसित करने में मदद मिलती है।

परिवारों, बच्चों, देखभालकर्ताओं और संयोजक यूनिट स्टाफ़ के साथ नियमित सलाह और वर्तमान सुरक्षा सुझावों का ज्ञान बच्चे और परिवार के लिए मित्रता भरा क्रियात्मक वातावरण प्रदान करने में सहायता देता है।

सिद्धांत 2.1: देखभालकर्ता के घर के अन्दर व बाहर के क्षेत्र व खेल के समय* के स्थान प्रसन्नता से स्वीकार करने वाले, आरामदेह व बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण हों

सिद्धांत 2.2: सभी बच्चों को अनेक प्रकार की रूचिकर वस्तुएं व साज़ सामान प्राप्त हों

सिद्धांत 2.3: संयोजक यूनिट द्वारा प्रयोग की जाने वाली सुख - सुविधाऐं आनन्ददायक और प्राप्य हों।

---

*FDCQA के उद्देश्य से, "खेलने का समय" शब्द उस स्थिति का वर्णन करता है जहां दो (या अधिक) देखभालकर्ता अपने बच्चों के साथ बच्चों पर केन्द्रित खेलने के अनुभवों के लिए इक्ट्ठे होते हैं। यहखेलने के समय देखभालकर्ताओं द्वारा स्वयं या संयोजक यूनिट स्टाफ़ द्वारा आयोजित किए जा सकते हैं

© Australian Government 2004.
This document is an extract from the Family Day Care Quality Assurance (FDCQA) *Quality Practices Guide* (2nd edition, 2004) published by the National Childcare Accreditation Council (NCAC) Inc.

सिद्धांत 2.1

देखभालकर्ता के घर के अन्दर व बाहर के क्षेत्र व खेल के समय* के स्थान प्रसन्नता से स्वीकार करने वाले,आरामदेह व बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण हों

देखभालकर्ता के घर और योजना के खेलने के समय के स्थान एक सुरक्षित, प्रेरणादायक और चुनौती भरे वातावरण प्रदान करते हैं जो सभी बच्चों के लिए सीखने के अधिकतम अवसर देते हैं।

सामान्य रूप से पारिवारिक दैनिक देखभाल में विभिन्न आयु के बच्चे एक जैसे ही खेलने के स्थान का उपयोग करते हैं। देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ उन तरीकों को सोचते हैं जिनसे वातावरण को शिशुओं, बालकों, स्कूल से पूर्व जाने वाली उम्रके बच्चों और स्कूल जाने वाली उम्र के बच्चों की विभिन्न जरूरतों को पूरा करने के लिए संगठित किया जा सकता है।

पर्याप्त स्थान और सजावट के सामान बच्चों को जो वे चाहें करने का चुनाव देते हैं और उचित तरीकों से स्वतंत्रता प्रदान करते हैं।

बच्चों के लिए अच्छे वातावरणों में :

- भीड़, निराशा, झगड़े, दुर्घटना और गंद को कम करने के लिए पर्याप्त स्थान होता है।
- भौतिक रूप से सुखद होता है, उदाहरण के लिए, तापमान, वायु का आवागमन और रोशनी उचित होती है।
- आरामदेह और उचित फ़र्नीचर और सजावट के सामान जैसे कि बच्चे के आकार के अनुरूप मेज़ और कुर्सियां, कम्बल और तकिए, एक सोफा या आरामदेह कुर्सी
- तीव्र, गंदे, शांत व शोर-गुल वाले विभिन्न खेलों की आज्ञा देते ह
- अकेले रहने या दूसरों के साथ रहने का स्थान प्रदान करते हैं
- पदार्थों तक आसान पहुंच देते हैं जो बच्चों को स्वतंत्र रूप से जो चाहें लेने की आज्ञा देते हैं
- बच्चों को अपने सामान को रखने व उस तक पहुंच के लिए स्थान प्रदान करते हैं
- पूरे घरेलू वातावरण में अपनेपन का आभास देते हैं। उदाहरण के लिए, बच्चों की और उनके परिवारों की तस्वीरें पूरे घरेलू वातावरण में सम्मान सहित दर्शाई जाती हैं
- चल रहे कार्य-सामान को रखने के लिए स्थान दिया जाता है जिसे वे परिवारों को दिखाते हैं या बाद में वापिस कर देते हैं
- ऐसे तरीकों से संगठन होता है जिनका आसानी से और सुरक्षा से निरीक्षण किया जा सकता है।

देखभाल में आए बच्चों के अनुरूप घरेलू वातावरण तैयार करने से देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ को बच्चों के साथ बातचीत करने का महत्वपूर्ण समय मिल जाता है, बजाय कि वे लगातार अनुभवों व सामानों को लगाते और उठाते रहें।

पारिवारिक दिवस देखभाल का वातावरण पारिवारिक घर भी होता है। जो स्थान देखभाल में आए बच्चों द्वारा प्रयोग किए जा सकते हैं उनकी सीमाऐं स्पष्ट रूप से परिभाषित होनी चाहिए और आसानी से पहचानी जानी चाहिएं। इससे देखभाल में आए बच्चों को देखभालकर्ता के परिवार की गोपनीयता का सम्मान करने में मदद मिलती है।

*FDCQA के उद्देश्य से, "खेलने का समय" शब्द उस स्थिति का वर्णन करता है जहां दो (या अधिक) देखभालकर्ता अपने बच्चों के साथ बच्चों पर केन्द्रित खेलने के अनुभवों के लिए इक्ठे होते हैं। यहखेलने के समय देखभालकर्ताओं द्वारा स्वयं या संयोजक यूनिट स्टाफ़ द्वारा आयोजित किए जा सकते हैं

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 2.2
सभी बच्चों को अनेक प्रकार की रूचिकर वस्तुएं व साज़-सामान प्राप्त हों

विभिन्न प्रकार के साधनों के उपलब्ध होने से बच्चे अपनी पसंद के साधनों को चुन सकते हैं और अपनी क्षमता के अनुसार उनका मिलान कर सकते हैं। उदाहरण के लिए :

- सृजनात्मक पदार्थ जैसे कि रंगलेप, गोंद, साना हुआ गीला आटा, मिट्टी, रेत, कपड़े और रेशे
- संगीत वाद्य यंत्र, जिनमें ढोल, घंटियां और झुनझुने
- क्रियात्मक साधन झूठ- मूठ के खेल के लिए, जैसे कि टेलीफ़ोन, बाजे, स्टैथोस्कोप, खाली डिब्बे, रसोई और खाने के सुरक्षित बर्तन।
- वे साधन जो सम्पूर्ण गतिदायक कौशल बढ़ाते हैं जैसे कि गेंदें, बल्ले, कूदने की रस्सी, संतुलन करने वाले फट्टे और बगीचे के सुरक्षित औज़ार
- गणित संबंधी औज़ार जैसे कि फुट्टा, नापने वाला फीता, कैलकुलेटर, तराज़ू, जग, बोतलें और मापने वाले कप
- निर्माण के पदार्थ, व्यावसायिक रूप से बनाए गए और घर पर बनाए गए ब्लाक, कूड़ा-करकट वाले पदार्थ और बचे खुचे टुकड़े
- इकट्ठा करने, छांटने व समूह में करने वाले पदार्थ जैसे कि पत्थर, शंख, जानवरों की आकृतियां
- किताबें व दूसरे पढ़ने के पदार्थ जैसे कि पत्रिकाऐं, समाचार पत्र, भोजन सूचियां, फ़ोन नम्बर वाली पुस्तकें, समय सारणियां, कैलेन्डर

देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों के लिए किसी अनुभव में उनकी रूचि बढ़ाने व सफलता का अहसास दिलाने ले लिए उनकी अतिरिक्त साधनों व पदाथों की उचित मांगों का सकारात्मक जबाब देते हैं।

देखभालकर्ता के घर में और खेलने के समय के स्थानों पर पदार्थों के संगठन व उन्हें पेश करने के तरीकों पर ध्यान दिया जाता है ताकि बच्चे स्वयं चुन सकें। उदाहरण के लिए, लिखने व रंग के पदार्थ, कैंचियां, गोंद व कागज उस क्षेत्र में रखे जाते हैं जहां कला के अनुभव किए जाते हैं और किताबों की अलमारी एक सुखद क्षेत्र में रखी जाती है जहां पढ़ने की प्रेरणा मिलती है। खुली अलमारियां और संग्रह करने वाले डिब्बे जैसे कि आईसक्रीम के डिब्बे, बाल्टियां और टोकरियां बच्चों को अपनी पसंद का सामान चुनना व लौटाना आसान कर देते हैं।

जहां पारिवारिक दैनिक देखभाल योजना में खिलौनों की लायब्रेरी होती है, वहां नए साधनों की प्राप्ति ध्यान से नियोजित की जाती है। अनेक रूप से प्रयोग होने वाले पदार्थों को अधिक मानता दी जाती है जिन्हें कई तरीकों से प्रयोग किया जा सकता है और जो आस्ट्रेलियन समाज और विस्तृत विश्व की विभिन्नता को दर्शाते हैं। उदाहरण के लिए, इन पदार्थों में कला के कार्य, तस्वीरें, बड़े विज्ञापन पोस्टर, चिन्ह, किताबें, गुड़ियां, पहेलियां, संगीत, संगीत वाद्य यंत्र, कला के पदार्थ, कपड़े और शिल्प कला के नमूने शामिल हैं।

योजना के साधनों का ध्यान से मूल्यांकन किया जाता है यह निश्चित करने के लिए कि वे हर लिंग की भूमिकाओं, सांस्कृतिक समूह, जाति, आयु व क्षमता के रूढ़िवादी रूपों को बढावा नहीं देते। स्टाफ़ देखभालकर्ताओं को उन तरीकों से पदार्थों व सामानों के चयन च प्रयोग में मदद देता है जो बच्चों के शिक्षण व विभिन्नता की सराहना करने को बढ़ावा देंगे।

© Australian Government 2004

सिद्धांत 2.3
संयोजक यूनिट द्वारा प्रयोग की जाने वाली सुख-सुविधाऐं आनन्ददायक और प्राप्य हों।

संयोजक यूनिट की सुविधाऐं, सेवा के प्रशासनिक कार्यों के अनुकूल होती हैं और देखभालकर्ताओं, परिवारों व बच्चों के लिए एक प्रसन्नता से स्वीकार करने वाला, बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण व सुरक्षित वातावरण प्रदान करती हैं।

संयोजक यूनिट का वातावरण इस बारे में सशक्त संदेश प्रदान करता है कि क्या महत्त्वपूर्ण है, किस का स्वागत है और योजना की परिवारों व देखभालकर्ताओं के साथ साझेदारी मेंकाम करने की मार्गदशा क्या है :

- एक स्वागत करने वाला प्रवेश स्थान, हरे भरे पौधे, हंसते चेहरे, तुरन्त ध्यान, बैठने के लिए आरामदेह स्थान और बच्चों के लिए खिलौने व खेलने के सामान का प्रावधान सब इस बात को इंगित करते हैं कि परिवार, देखभालकर्ता व उनके बच्चों का स्वागत सर्वोपरि है।
- गोपनीय रूप से बातचीत के लिए स्थान देखभालकर्ता व परिवारों को दिखाता है कि संयोजक यूनिट स्टाफ़ प्रश्न व चिन्ताओं को सुनने में रूचि रखता है
- बच्चों की सकारात्मक तस्वीरें और उनके काम के उदाहरण, संगठन में बच्चों के महत्त्व को उजागर करते हैं
- कई प्रकार की जीवन शैलियों को दर्शाने वाली तस्वीरें, सजावट के सामान और कलात्मक चीज़ें एक स्पष्ट संदेश देती हैं कि योजना विभिन्नता का आदर करती है और इसे स्वीकार करती है।
- अच्छी तरह से रखे गए सूचना पट पर लगी स्थानीय समुदाय में प्रयोग होने वाली भाषाओं में वर्तमान जानकारी, छोटी पुस्तिकाऐं और दूसरे साधन यह दिखाने में मदद करते हैं कि योजना को अपनी स्थानीय गतिविधियों की जानकारी है और समुदाय की अन्य गतिविधियों और सेवाओं के साथ इसका मज़बूत संबंध है।

कुछ परिवारों व देखभालकर्ताओं की भूगोलीय स्थितियां या आने जाने की कठिनाईयां उन्हें संयोजक यूनिट की सुविधाओं और स्टाफ़ तक पहुंचने में रूकावट डाल सकती हैं। संयोजक यूनिट स्टाफ़ को इन परिस्थितियों में परिवारों व देखभालकर्ताओं के साथ संपर्क के लिए उचित रणनीतियां विकसित व लागू करनी चाहिऐं।

संयोजक यूनिट भी एक कार्यस्थल है। संयोजक यूनिट स्टाफ़ व प्रबंधक वर्ग का यह साझा उत्तरदायित्व है कि वे वर्तमान व्यावसायिक स्वास्थ्य व सुरक्षा के अधिनियम और इन परिसरों में आने वाले और / या इनका प्रयोग करने वालों के ऊपर इनके प्रभावों से अवगत रहें। योजना की सुविधाओं और सामान का व इसकी निरन्तर देख रेख और सुधार की लागत योजना का वार्षिक लेखा परीक्षण इसकी स्वास्थ्य व सुरक्षा कत्तर्व्यों और उत्तरदायित्वों को पूरा करने में मदद करेगा।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

गुणता क्षेत्र

3

FDCQA *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका (Quality Practices Guide)* का सार

निम्न प्रस्तावनाऐ पारिवारिक दैनिक देखभाल गुणवत्ता आश्वासन (FDCQA) *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका* (द्वितीय संस्करण, 2004) से ली गई है। ये प्रस्तावनाऐं हर सिद्धांत के सूचको को मजबूत करती है और देखभाल के हर पहलू का संदर्भ और उद्देश्य प्रदान करती हैं। ये प्रस्तावनाऐ बच्चो और उनके परिवारो के लिए वांछित परिणामो को बेहतर रूप से समझ पाने को सुनिश्चित करेंगी।गुणता सूचको के बारे मे अधिक जानकारी के लिए कृपया FDCQA *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका (Quality Practices Guide)* को देखे।

बच्चों के अनुभव, शिक्षण व विकास

बच्चों के शिक्षण व विकास को बढ़ावा देने के लिए सफल शिक्षण वातावरण खेल के महत्त्व व सकारात्मक सामाजिक संबंधों को स्वीकार करता है। बच्चों का शिक्षण व विकास चयन के अवसरों द्वारा, व अपनी रूचियों, व्यक्तित्व व कुशलताओं के अनुसार अपने अनुभवों का मार्गदर्शन करके बढ़ता है। बच्चे नियोजित और सहज अनुभवों द्वारा, अपने दैनिक कार्यक्रमों में भाग लेने से व वयस्कों व साथियों के द्वारा पेश सकारात्मक नमूनों के अनुभवों द्वारा सीखते हैं।

एक सहयोगी शिक्षण वातावरण, व्यवहार निर्देशन की रणनीतियों द्वारा मजबूत होता है जो अलग अलग बच्चों की जरुरतों व क्षमताओं का आदर करता है और बच्चों की स्वयं को संभालने की कुशलताओं के विकास को बढ़ाता है।
बच्चों के शिक्षण व विकास के संबंध में पूर्ण दृष्टिकोण, बच्चों के आत्म सम्मान व निजी क्षमता की बढ़ोतरी के लिए सृजनात्मक और बच्चों द्वारा शुरू किए खेलों के महत्त्व को समझता है।

देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ यह सुनिश्चित करते हैं कि बच्चों को नियोजित, सहज और नियमित अनुभवों के बीच संतुलन रखने से कई प्रकार के खेलों व शिक्षण अनुभवों द्वारा सीखने का समय व अवसर मिले।

सिद्धांत 3.1: देखभालकर्ता बच्चों की रूचियों और योग्यताओं का इस तरह ध्यान करें कि जो घरेलु वातावरण में सीखने में मदद करें।

सिद्धांत 3.2: संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों के शिक्षण का समर्थन घर जाकर और / या खेलने के समय करें *

सिद्धांत 3.3: देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों के व्यवहार को सकारात्मक तरीकों से दिशा प्रदान करें

सिद्धांत 3.4: देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों के व्यवहार में लचीलापन और सामाजिक समर्थता को बढ़ावा दें

सिद्धांत 3.5: देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों में शारीरिक क्षमता को बढ़ावा दें

सिद्धांत 3.6: देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों की भाषा, साक्षरता, जिज्ञासा, गणितज्ञ सोच और वैज्ञानिक खोज को बढ़ावा दें

सिद्धांत 3.7: देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों की सृजनात्मक अभिव्यक्ति का समर्थन करें

---

*FDCQA के उद्देश्य से, "खेलने का समय" शब्द उस स्थिति का वर्णन करता है जहां दो (या अधिक) देखभालकर्ता अपने बच्चों के साथ बच्चों पर केन्द्रित खेलने के अनुभवों के लिए इक्ट्ठे होते हैं। यहखेलने के समय देखभालकर्ताओं द्वारा स्वयं या संयोजक यूनिट स्टाफ़ द्वारा आयोजित किए जा सकते हैं

© Australian Government 2004.
This document is an extract from the Family Day Care Quality Assurance (FDCQA) *Quality Practices Guide* (2nd edition, 2004) published by the National Childcare Accreditation Council (NCAC) Inc.

सिद्धांत 3.1
देखभालकर्ता बच्चों की रूचियों और योग्यताओं का इस तरह ध्यान करें कि जो घरेलु वातावरण में सीखने में मदद करें।

बच्चे खेल के द्वारा तथा पदार्थों व लोगों के साथ पारस्परिक संबंधों से सीखते हैं। वे सक्रिय शिक्षार्थी होते हैं, और कौशल, खोज व अनुभवों द्वारा अर्थ निकालते हैं। हालांकि शिक्षण अपने आप नहीं हो जाता। इसके लिए बच्चों पर केन्द्रित अवसर व अनुभव प्रदान करने व हर बच्चे की शिक्षा व विकास को बढ़ावा देने व विस्तृत करने के लिए विचारशील योजना की जरूरत होती है।

पारिवारिक दैनिक देखभाल में बच्चे अपनी क्षमताओं, रूचियों, अनुभवों व विशिष्ट पारिवारिक पृष्ठभूमियों के साथ आते हैं। प्रत्येक बच्चे को देख कर, सुन कर व बात करके देखभालकर्ता बच्चे व उनके परिवार को एक व्यक्ति के रूप में व उनकी वर्तमान सोच व समझ को जान लेते हैं। यह जानकारी बच्चों के बड़े होने व विकास के तरीकों को सामान्य समझ के साथ मिला कर देखभालकर्ता को यह भविष्यवाणी करने में सहायता करती है कि कौन सी कुशलताऐं बच्चों में आगे दृष्टिगोचर होने वाली हैं और यह फैसला करती है कि उस विकास को कैसे सुगम किया जा सकता है।

योजना एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है जिसमें क्या और क्यों किया जा रहा है इसके बारे में स्पष्ट सोचना शामिल है। पारिवारिक दैनिक देखभाल घर में देखभालकर्ता हर बच्चे को करीब से देखना और कुछ निम्न के बारे में सोचना शुरू करता है।

- किन परिस्थितियों में बच्चा अधिकतम या बिल्कुल कम आरामदेह महसूस करता है ?
- बच्चा कौन से कार्य अच्छी तरह से करता है ?
- बच्चा किस बारे में बातचीत करना पसन्द करता है ?
- क्या कोई विशेष गतिविधि है या समूह में विशेष बच्चा है जिसके प्रति बच्चा आर्कषित होता है ?
- बच्चे के नाटकीय खेल के मुख्य विषय क्या होते हैं ?
- बच्चे को कौन सी चीज़ें सबसे ज्यादा अच्छी या उत्तेजक लगती हैं ?
- बच्चा कौन से प्रश्न पूछता है ?

बच्चों के ध्यान पूर्वक निरीक्षण से देखभालकर्ता को बच्चों के लिए बाद के अनुभवों जो उनकी पूर्व सफलताओं और रूचियों पर आधारित होती हैं के बारे में सोचने व योजना करने में मदद मिलती है।

दिन के प्रवाह को बच्चों के लिए यथासंभव आसान बनाने के लिए देखभालकर्ता ऐसी दिनचर्याओं व नियमित घटनाओं की भी योजना करते हैं जैसे कि खाने के समय, आराम और / या सोना या स्कूल तक पैदल जाना। निम्न बातों को भी विचारा जाता है :

- समूह गतिशीलता - आज देखभाल में और कौन होगा ?
- साधन व पदार्थ -- क्या चाहिए ?
- स्थान - अंदर या बाहर ?
- समय - और आज क्या होना चाहिए ?

बच्चों के बारे में निरीक्षणों व कहानियों को व बच्चों के योजना संबंधी विचारों को लिख कर रखने से देखभालकर्ताओं को अपनी सोच स्पष्ट करने व परिवारों और संयोजक यूनिट स्टाफ़ से बच्चे के बारे में नियमित रूप से जानकारी का आदान प्रदान करने में मदद मिलती है। हर बच्चे के बारे में एकत्रित की गई जानकारी को व हर बच्चे के शिक्षण को सहयोग देनेवाले अनुभवों के विचारों को रिकार्ड करने के कई ढंग हैं। देखभालकर्ता अपनी विशेष प्रतिभा व समय के हिसाब से उत्तम तरीके से रिकार्ड करने के तरीके के बारे में सोचते हैं।

उदाहरण के लिए :

- एक नोटबुक या डायरी में सब बातें लिखते हैं
- कम्पयूटर पर नोट लिखते हैं
- तस्वीरों द्वारा ब्लाक बनाने, रेत और नाटकीय खेलों के अनुभवों के चल रहे कार्यों का विशेष रूप से रिकार्ड रखना
- वीडियो कैमरे द्वारा समय बीतने के साथ साथ बच्चों के विकास का रिकार्ड रखना
- बच्चे के कार्यों के नमूने इकट्ठे करना। हर नमूने पर नामपत्र व तिथि लगाना महत्त्वपूर्ण है ताकि परिवार, देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ कालान्तर में बच्चे की प्रगति देख सकें।
- हर बच्चे के लिए एक फोल्डर या स्क्रेप बुक बनाना। उसमें जो शामिल करना है, उसके चयन के लिए बच्चे को शामिल किया जा सकता है। इन रिकार्डों को तिथिवार व जमा करके, देखभाल कर्ता, स्टाफ व बच्चे का परिवार पारिवारिक दैनिक देखभाल घर में समय बीतने के साथ साथ बच्चे की प्रगति को देख सकते हैं।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

दिनचर्याओं में कुछ आकस्मिक परिवर्तन या बच्चे की सहज रूचियों का लाभ लेने के लिए लिखित योजनाऐं आवश्यकतानुसार होती हैं। "यह अच्छा था " या " मैं फिर ऐसा नहीं करूंगा / गी" जैसी समालोचनाओं द्वारा प्रतिदिन मूल्यांकन होता है। पारिवारिक दैनिक देखभाल की व्यवस्था में प्रतिदिन क्या होता है या क्यों होता है के बारे में पुनर्विचार करने या सोचने से देखभालकर्ता को अपने कार्यक्रमों की गुणवत्ता व उपयोगिता के बारे में ज्ञानप्रद फैसला करने में मदद मिलती है :

- अनुभवों के प्रति बच्चों की क्या प्रतिक्रिया है ? और क्यों ?
- क्या वहां पर्याप्त स्थान था ? पर्याप्त समय था ? पर्याप्त साधन और सामान थे ?
- देखभालकर्ताओं ने बच्चों या अपने बारे में क्या अप्रत्याशित बातें सीखी ?
- देखभालकर्ता ने क्या नई चीज़ें समझी ?
- इस अनुभव को अगली बार कैसे सुधारा या बढ़ाया जा सकता है ?

नियोजित व स्वाभाविक अनुभवों का प्रभावशील नियमित रूप से अवलोकन, यह फैसला आसान करता है कि अगली बार क्या किया जाए ? इस मूल्यांकन द्वारा परिवारों व संयोजक यूनिट स्टाफ़ के साथ मिल जुल कर काम करने से बच्चों के बारे में उपयोगी जानकारी मिलती है।

टेलीविज़न, कम्पयूटर, इलैक्ट्रोनिक खेल या अन्य इसी प्रकार की तकनीकी का अनुभव के रूप में प्रयोग बच्चों के लिए तभी उचित होता है जब वे बच्चे पर केन्द्रित हों, देखभालकर्ताओं द्वारा सावधानी से नियोजित हों, निरीक्षित हों व जांची जाऐं। बच्चों को इन अनुभवों को बता कर व उनकी चर्चा करके देखभालकर्ता यह सुनिश्चित कर सकता है कि बच्चों को हिंसात्मक, रूढ़िवादी व वयस्कों के विषय न दिखाए जाऐं।

देखभालकर्ता के व्यावसायिक विकास का पोषण, पुनर्विचार को प्रोत्साहन देने वाली व नए ज्ञान के विकास की गतिविधियों द्वारा किया जा सकता है।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 3.2

संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों के शिक्षण का समर्थन घर में जाकर और / या खेलने के समय करें*

संयोजक यूनिट स्टाफ़ को देखभालकर्ता के घर के दौरे अनौपचारिक शिक्षण के अवसर प्रदान करते हैं और रीति के अवलोकन को प्रोत्साहित करते हैं। देखभालकर्ता के घर के दौरे देखभाल में आए हर बच्चे की जानकारी, बच्चे के विकास व प्रारंभिक बचपन की कार्यविधियों को समझने के अवसर देते हैं। देखभालकर्ताओं के घर के दौरे की योजना बनाते समय संयोजक यूनिट स्टाफ़ निम्न पर ध्यान देता है :

- देखभालकर्ताओं को बच्चों के बारे में उनके निरीक्षण की व्याख्या और बच्चों की रूचियों व क्षमता की योजना बनाने में मदद करना
- देखभालकर्ताओं को उन कार्यक्रमों व अनुभवों को विकसित करने में सहयोग देना जो देखभाल में आए बच्चों की संस्कृति व घरेलू भाषाओं का प्रदर्शन करते हैं व विभिन्नता को मान्यता देते हैं।
- साधनों, जैसे कि पढ़ने की चीज़ें, सामान व खेल की वस्तुओं, के लिए सहायता देना व उन्हें उपलब्ध करवाना
- देखभालकर्ताओं को अपने निजी प्रशिक्षण व व्यावसायिक विकास की जरूरतों को पहचानने में मदद करना।

घर के दौरे व खेलने के समय संयोजक यूनिट स्टाफ़ को बच्चों को दोनों बड़े व छोटे समूह की स्थिति में देखने का अवसर प्रदान करते हैं। एक प्रभावशाली परियारिक दिवस देखभाल योजना में एक व्यवस्थित कार्यविधि यह सुनिश्चित करने के लिए होती है कि ये निरीक्षण लिख कर रखे जाएें और नियमित रूप से परिवारों को इनकी जानकारी दी जाए।

खेल समयकाल देखभालकर्ताओं व उनकी देखभाल में आए बच्चों को संयोजक यूनिट स्टाफ़, अन्य बच्चों व बड़ों से परस्पर बातचीत करने का अवसर देते हैं। खेल समयकाल एक अनौपचारिक शिक्षण अवसर भी प्रदान करते हैं, जहां देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़, अपने प्रारंभिक शैशवकाल के ज्ञान, अनुभव व कुशलताओं का नमूना पेश कर सकते हैं और उन्हें एक दूसरे से बांटते हैं। देखभालकर्ता व स्टाफ़ जो खेल समयकाल का प्रावधान करने के लिए उत्तरदायी होते हैं वे हर समयकाल की योजना यह सुनिश्चित करने के लिए करते हैं कि यह सभी आने वाले बच्चों को सकारात्मकअनुभव प्रदान करें। खेल समयकाल की योजनाएं निम्न को ध्यान में रखती हैं :

- शिशुओं, बालकों व बड़े बच्चों की संख्या व विभिन्न रूचियां
- खेल समयकाल के घटनास्थल व अन्दर और बाहर उपलब्ध होने वाले स्थान
- उपलब्ध सामान व शिक्षण के पदार्थ
- देखभालकर्ताओं व संयोजक यूनिट स्टाफ़ के कार्य

खेलने के समयकाल सभी बच्चों के लिए प्रेरणादायक शिक्षण वातावरण प्रदान करते हैं जब योजना :

- परिवारों व देखभालकर्ताओं से प्राप्त जानकारी तथा संयोजक यूनिट स्टाफ़ द्वारा देखभालकर्ता के घर के दौरे के दौरान बच्चों के बारे में निरीक्षण के विवरणों को ध्यान में रखती है।
- बच्चों की क्षमताओं व रूचियों को पहचानती है
- सृजनात्मकता, जिज्ञासा, स्वयं की मदद करने की कुशलता, फैसला करने की क्षमता, सहयोग व समझौता करने को बढ़ावा देती है।
- कई प्रकार के विषय क्षेत्रों का समावेश व कई प्रकार के अनुभवों के बीच संतुलन प्रदान करती हैं
- विभिन्नता को मान्यता देती है

खेल समयकाल की योजना सभी भाग लेने वाले देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ को उपलब्ध करायी जाती है ताकि वे सभी कार्यक्रम में अपना योगदान दे सकें व इसका मूल्यांकन कर सकें।

*FDCQA के उद्देश्य से, "खेलने का समय" शब्द उस स्थिति का वर्णन करता है जहां दो (या अधिक) देखभालकर्ता अपने बच्चों के साथ बच्चों पर केन्द्रित खेलने के अनुभवों के लिए इकट्ठे होते हैं। यहखेलने के समय देखभालकर्ताओं द्वारा स्वयं या संयोजक यूनिट स्टाफ़ द्वारा आयोजित किए जा सकते हैं

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 3.3

देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों के व्यवहार को सकारात्मक तरीकों से दिशा प्रदान करें

बच्चे खोज व अनुभव करके, अपने वातावरण की सीमाओं को भांपते हुए और अपने व्यवहार के परिणामों के अनुभव द्वारा सीखते हैं। अपनी भावनाओं व व्यवहार का नियंत्रण करना सीखना किसी अन्य प्रक्रिया की तरह एक विकास की प्रक्रिया है, और बच्चों को सकारात्मक व्यवहार की कुशलताओं में पूरी तरह दक्ष होने के लिए समय व अभ्यास चाहिए। स्वयं को या दूसरों को नुक्सान न पहुंचाने के लिए और यह सीखना शुरू करने के लिए कि उनसे क्या निजी व सामाजिक व्यवहार अपेक्षित है शुरू करने के लिए उन्हें बड़ों की मदद की आवश्यकता होती है।

बच्चों के व्यवहार को निर्देशित करने के लिए सकारात्मक रणनीतियां सम्मान व इस प्रस्तावना पर आधारित होती हैं कि सभी बच्चे, अपने अपने तरीके से बिना किसी बड़े की उपस्थिति या अनुपस्थिति में अपनी भावनाओं पर नियंत्रण करना सीख सकें। बच्चों को अधिकतम लाभ इससे होता है जब उनकी देखभाल करने वाले बड़े लोग उनके व्यवहार निर्देशन के लिए एकरुप दिशा को अपनाते हैं। इसलिए यह महत्त्वपूर्ण है कि देखभालकर्ता, संयोजक यूनिट स्टाफ़ व परिवार बच्चों को व्यवहार निर्देशन करने की अपनी विभिन्न दिशाओंके बारे में बात करें और इस विषय में समझौते पर पहुंचें कि देखभालकर्ता देखभाल में आए बच्चे के प्रति किस तरह से व्यवहार करेगा। सकारात्मक निर्देशन से संबंधित पारिवारिक दैनिक देखभालयोजना के लिए एक स्पष्ट व एकरुप रणनीति विकसित करने से भी देखभालकर्ताओं व संयोजक यूनिट स्टाफ़ को इस क्षेत्र में मदद मिलती है।

निर्देशन के प्रति सकारात्मक दिशा लेने के लिए बड़ों को यह समझने की कोशिश करना जरूरी है कि एक बच्चा क्यों एक विशेष तरीके से व्यवहार करता है। इसे प्रभावशाली ढंग से करने के लिए, देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ को देखभाल में आए बच्चों को जानना व समझना जरूरी है और इस बारे में सावधान रहना है कि एक विशेष व्यवहार शायद कई तथ्यों के मिश्रण के कारण है। उदाहरण के लिए :

- बच्चा थका हुआ, भूखा, परेशान या बीमार हो सकता है
- देखभाल में आए बच्चों के लिए वातावरण अव्यवस्थित या बहुत छोटा हो सकता है या वहां अनचाहा व्यवहार हो सकता है
- हो सकता है कि पर्याप्त साधन या सामान न हों या जो प्रदान किए गए हैं वे देखभाल में आए बच्चों की विशेष क्षमता या रूचियों के लिए काफ़ी चुनौती भरे या अपर्याप्त चुनौती वाले हों
- हो सकता है कि बच्चा समूह में दूसरे बच्चों के कार्यों का उत्तर दे रहा हो
- बच्चा, देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ के सदस्य के परिस्थिति के प्रत्युत्तर के प्रति प्रतिक्रिया कर रहा हो
- हो सकता है कि दिनचर्याओं और अनुभवों के कारण बच्चों को सीधे शामिल होने की बजाय प्रतीक्षा या पंक्ति में लगना, या देखना और सुनना पड़े
- बच्चे व देखभाल के वातावरण का अनुचित तरीके से निरीक्षण हो रहा है।

सकारात्मक निर्देशन का अर्थ अग्रलक्षी होना है और जहां संभव हो व्यवहार की कठिनाईयों को रोकना है। देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ पहले से ही सोच लेते हैं कि वे हर बच्चे की ज़रूरतों व रूचियों को कैसे पूरा कर सकते हैं और, यदि ज़रूरत पड़े, तो भिड़न्त व झगड़े को कम करने के लिए वातावरण और देखभाल की दिनचर्याओं में सूक्ष्म सुधार कर सकते हैं।

बच्चों के सकारात्मक ढंग से व्यवहार करना सीखने में मदद करने के लिए समय, समझ और दृढ़ता की ज़रूरत होती है। इसका अर्थ है कि न केवल अस्वीकार्य व्यवहार को रोका जाए बल्कि बच्चों को नई सामाजिक कुशलताओं व निष्पक्ष विचारों को विकसित करने में मदद की जाए। देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ का उत्तरदायित्व है कि बच्चों को उचित तरीके से सभी प्रकार की भावनाओं को प्रदर्शित करना सिखाऐं। जब देखभालकर्ता व संयोजकयूनिट स्टाफ़ बिना किसी निर्णय के बच्चे के व्यवहार को 'अच्छे दिनों ' व 'बुरे दिनों ' में स्वीकार करते हैं, तब वे धैर्य व सहनशीलता का नमूना पेश करते हैं। ईमानदार, उदार होकर अपनी जरूरतों को स्पष्ट रूप से व शांति से कह कर, देखभालकर्ता व स्टाफ़ भावनात्मक रूप से चुनौती भरी स्थितियों के प्रति उत्तर देने के स्वीकार्य तरीके का प्रदर्शन करते हैं।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 3.4
देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों के व्यवहार में लचीलापन और सामाजिक समर्थता को बढ़ावा दें

लचीले लोगों का जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण होता है और वे जीवन की अवश्यम्भावी ऊंच नीच का अच्छी तरह से सामना करते हैं। वे अपने दूसरों के साथ संबंधों से सहयोग प्राप्त करते हैं और जब चाहें दूसरों से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। वे आत्म सम्मान व योग्यता की प्रबल भावना रखते हैं। वे दूसरों के प्रति आदर दिखाते हैं और दूसरों के साथ संबंधों का मान करते हैं।

संवेदनशील, उत्तरदायी, जोशीले व स्थिर देखभालकर्ताओं के पास आने वाले बच्चे स्वयं को प्रिय व योग्य समझते हैं। वे विश्व को ऐसा स्थान मानते हैं जिस पर विश्वास किया जा सकता है और वे यह महसूस कर व कह सकते हैं कि :

मेरे
- आसपास वे लोग हैं जिन पर मैं विश्वास कर सकता /ती हूं जो मुझे बिना किसी शर्त के प्यार करते हैं
- पास वे लोग हैं जो मेरे लिए सीमाएं तय करते हैं ताकि मुझे पता चले कि खतरे व परेशानी से पहले मुझे कब रुकना है
- पास वे लोग हैं जो मुझे अपने कार्य के तरीकों से सही चीज़ें करना सिखाते हैं
- पास वे लोग हैं जो मुझे अपने लिए काम करना सिखाना चाहते हैं
- पास वे लोग हैं जो ज़रूरत पड़ने पर मेरी मदद करेंगे

मैं
- एक ऐसा व्यक्ति हूं जिसे लोग पसंद व प्यार कर सकते हैं
- दूसरों की भावना को पहचान, समझ व स्वीकार कर सकता /ती हूं
- दूसरों व स्वयं का आदर करता /ती हूं
- अपने कार्य के लिए उत्तरदायी होने के लिए तैयार हूं
- मुझे विश्वास है कि सब ठीक हो जाएगा

मैं
- मुझे डराने या परेशान करने वाली चीज़ों के बारे में किसी से बात कर सकता /ती हूं और उसके लिए कार्य कर सकता /ती हूं
- समस्याऐं सुलझाने के तरीके ढूंढ सकता /ती हूं
- जब मैं कुछ अनुचित या खतरनाक करना चाहूं तब अपने पर नियंत्रण कर सकता /ती हूं

देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों में लचीलेपन को प्रोत्साहित करते हैं जब वे :
- सभी बच्चों को बिना किसी शर्त के मान देते हैं व स्वीकार करते हैं और उन्हें योग्य व समर्थ समझते हैं
- बच्चे द्वारा अत्याधिक पीड़ा, निराशा या गुस्सा दिखाने पर भी धैर्यवान, नरम, शांत, पुर्नविश्वास दिलाने वाले व स्पष्ट रहते हैं
- बच्चों को अपनी भावनाओं को प्रकट करने व दूसरों की भावनाओं को समझने के लिए उत्साहित करते हैं
- बच्चों को इकठ्ठे मिल कर काम करने, अधिकारों और औचित्य पर बातचीत करने व समझौता करने के अवसर प्रदान करते हैं
- दूसरों के लिए आशावाद, देखभाल, तदनुभूति, सहयोग व सम्मान का नमूना पेश करते हैं और इनका प्रोत्साहन करते हैं
- उन अनुभवों को शामिल करते हैं जो हर बच्चे के विशेष लक्षणों का समावेश करते हैं व विभिन्नता की प्रशंसा करते हैं
- अत्याधिक सुरक्षा नहीं करते व बच्चों को नई चीज़े परखने व बड़ों की कम से कम मदद से काम करने के लिए उत्साहित करते हैं

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 3.5
देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों में शारीरिक क्षमता को बढ़ावा दें

बच्चों में अपने वातावरण को खोजने व उसमें दक्ष होने की एक स्वाभाविक अंतःप्रेरणा होती है। इधर उधर घूमने की शारीरिक गतिविधियां और विभिन्न वस्तुओं से छेड़छाड़ सभी अन्य क्षेत्रों में शिक्षण व प्रगति को सुगम बनाती है। बच्चों की बढ़ती शारीरिक समर्थता का असर उनके साहस, स्व-धारणा व भावनात्मक कुशलता पर भी पड़ता है।

आस्ट्रेलियाई बच्चों की सामान्य सेहत व कुशलता के लिए चेतना व चिन्ता बढ़ रही है। कम सक्रिय व अधिक मोटे बच्चों के बाद के जीवन में गंभीर बीमारी व रोग विकसित होने का खतरा होता है। परिणाम स्वरूप, उन्हें दक्षताओं व शारीरिक वृद्धि, विकास, सेहत व कुशलता का पोषण व वृद्धि करने वाली सकारात्मक अभिवृतियों को विकसित करने वाले अवसर चाहिऐं।

देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ उन अनुभवों की तैयारी करते हैं व प्रदान करते हैं जो शारीरिक समर्थता को निखारते हैं जिनमें तालमेल, स्फूर्ति, संतुलन, लचक, गति के कौशल, हाथ-आंख में तालमेल और संपूर्ण पेशियों में बल व सहनशक्ति शामिल हैं। केवल एक बाहर खुला क्षेत्र प्रदान करना बच्चों के शारीरिक विकास को उचित रूप से बढ़ाने के लिए प्र्याप्त नहीं है।

योजना यह सुनिश्चित करती है कि बच्चों को चुनौती देने के लिए व अच्छे और ठोस गति कौशल के लिए विस्तृत प्रकार के पदार्थ दिए जाऐं। उदाहरण के लिए, चढ़ने के ढांचे, चढ़ कर चलने योग्य पायदान लगे डंडे, संतुलन बल्लियां, गेंदें, पहिए वाले खिलौने, विभिन्न आकार वाले औज़ार जैसे कि फावड़े, झाड़ू, पाँचा, बड़े चम्मच ,साना हुआ गीला आटा, हथौड़े व खूंटियां; खाली करने व भरने के उपकरण, धक्का देने व खींचने वाले खिलौने, रचना के लिए टुकड़े, निर्माण के लिए ब्लाक; और रेत व पानी। व्यावसायिक सामान व उपकरणों के अतिरिक्त देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों की विशेष कुशलताओं व रूचियों को पूरा करने के लिए आसान साधन भी बनाते हैं।

जब उपकरण आवश्यकता अनुरूप होता है, इसे बच्चों की विशेष कुशलताओं व रूचि को पूरा करने के लिए पुनः व्यवस्थित या ठीक किया जा सकता है, जो बच्चे की कुशलताओं के बढ़ने के साथ और अधिक विभिन्नता व चुनौती प्रदान करता है। जहां संभव हो, देखभाल में आए बच्चों को भौतिक साधनों को लगाने में शामिल होने के लिए व गतिविधियों, अनुभवों व सामानों के लिए अपने विचार देनेके लिए उत्साहित किया जाता है।

शारीरिक गतिविधियों के अवसरों को पूरा दिन अन्दर व बाहर शामिल किया जाता है। अच्छी गतिशीलता के कार्यों को भाषा व संगीत के अनुभवों में शामिल किया जाता है और संगीत, नृत्य, खेल व स्थानीय क्षेत्र के आस पास सैर द्वारा विभिन्न प्रकार की हिलने डुलने की गतिविधियां शामिल की जाती हैं।

बच्चे जैसे जैसे अपनी योग्यताओं व सीमाओं की परख करते हैं उनको अपने हिसाब व तरीकों द्वारा कुशलताओं को विकसित करने के लिए उत्साहित किया जाता है। जबकि बच्चों को शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए जोशीले वयस्कों की जरूरत होती है लेकिन समझदार बड़े लोग सहायता देने से पहले तब तक प्रतीक्षा करते हैं जब तक कि बच्चा यह संकेत न करे कि उसे मदद चाहिए।

स्कूल में जाने वाली उम्र के बच्चों के लिए स्कूल व खेल की गतिविधियों में सफल रूप से भाग लेने के लिए अपेक्षित गतिशीलता के कौशल का अभ्यास करने का प्रावधान है। उदाहरण के लिए, गेंद से खेलना, दौड़ना, कूदना, खेल के यंत्रों का प्रयोग व देखभाल. लिखना, चित्रकला व उचित औज़ारों का प्रयोग।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 3.6
देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों की भाषा, साक्षरता, जिज्ञासा, गणितज्ञ सोच और वैज्ञानिक खोज को बढ़ावा दें

बच्चे अनथक अन्वेषक, खोज-बीन करने वाले व समस्याऐं सुलझाने वाले होते हैं जिन्हें विश्व के बारे में जानने और वह कैसे कार्य करता है को समझने की उत्सुकता होती है। वे बड़ों, अन्य बच्चों व वातावरण से परस्पर संबंधों द्वारा बढ़ते हुए जटिल व निपुण तरीकों द्वारा सोचने व समझने की योग्यता का विकास करते हैं। भाषा व बातचीत के विभिन्न तरीके बच्चों के शिक्षण में अति आवश्यक भाग अदा करते हैं, जो उन्हें जानकारी प्राप्त करने व समझने, विचार व्यक्त करने व भावनाओं को प्रकट करने का अधिकार देते हैं। देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों को किसी और दूसरे बच्चे के साथ बातचीत शुरू करने व दूसरों को सुनने के लिए उत्साहित करते हैं।

प्रत्येक बच्चे की भाषा सांस्कृतिक व सामाजिक पृष्ठभूमि को दर्शाती है। क्योंकि भाषा सोचने व सीखने का एक ऐसा महत्त्वपूर्ण साधन है,हर बच्चे की घरेलू भाषा के प्रयोग का आदर किया जाता है और जहां संभव हो उसे उत्साहित किया जाता है।

कुछ बच्चों के लिए अंग्रेज़ी के अलावा दूसरी भाषा घर में बोली जाती है। एक सांझी भाषा में बात न कर पाने से काफी अकेलापन लगता है और घर से पारिवारिक दैनिक देखभाल के परिचर्तन को मुश्किल बना सकता है। अपनी घरेलू भाषा के कुछ शब्द या मुहावरे सुनना सुखद हो सकता है और बच्चे को इस समय में पुर्नविश्वास प्रदान कर सकता है। देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ को बच्चे की घरेलू भाषा के महत्त्वपूर्ण शब्द व मुहावरे सीखने के लिए व द्विभाषी होने से संबंधित विषयों को समझने के लिए सहयोग दिया जाता है।

पारिवारिक दैनिक देखभाल की व्यवस्था एक ऐसा वातावरण प्रदान करती है जहां खूब सारे संकेत, लक्षण, शब्द और अंक होते हैं और बच्चों को गणित, पढ़ने व लिखने के मौलिक विचारों को विकसित करने में मदद करने के लिए साधन उपलब्ध कराती है।

देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ समझते हैं किः

- वे साधन शामिल किए जाऐं जो बच्चों की सोच को बढ़ावा देते हैं। उदाहरण के लिए, गिनती व कविताओं की पुस्तकें, अंकों का प्रयोग करने वाले खेल, जैसे कि ताश के पत्ते और पासे से खेलने का खेल; या ऐसे उपकरण जो आकार, रंग, नमूने व वजन से संबंधित हैं।
- बच्चों को मिलान करने, छांटने, एक कड़ी में चीज़ें रखने, चीज़ें गिनने, मापने, नमूनों को पहचानने व बनाने के अवसर प्रदान करें।
- गणित के साधन जैसे कि फुटा, मापने का फीता, कैल्कुलेटर, तराज़ू व मापने वाले कप शामिल किए जाऐं।
- अनेक प्रकार की पुस्तकें व दूसरे पढ़ने के सामान प्रदान करें। उदाहरण के लिए, ऐसी किताबें जो दो लिंगों के कार्यों में विभिन्नता, परिवारों के रूप,या योग्यताओं का अध्ययन करती हैं, पत्रिकाऐं, समाचारपत्र, सूचीपत्र, पर्चे व भोजन सूचियां
- बच्चों के विकसित हो रहे भाषा कौशल को प्रेरित करने के लिए गाने, कविताऐं व उंगलियों के खेल शामिल करें
- बच्चों की सांस्कृतिक समझ को ध्यान में रखने व बढ़ाने वाली गतिविधियां प्रदान करें। उदाहरण के लिए, सामुदायिक भाषाओं की किताबें देखें व गाने सुनें
- यह सुनिश्चित करें कि पूरे दिन, अंदर व बाहर लिखने के सामान उपलब्ध हों, ताकि बच्चे अपने खेल में लिखना भी शामिल कर सकें। उदाहरण के लिए, सूचियां, संकेत व लेबिल बनाना
- बच्चों को कोशिश करके व गल्ती करके समस्याओं को सुलझाने की नई कुशलताओं को सीखने के लिए अवसर प्रदान करें, यह जानते हुए कि वे चाहें तो बड़ों से मदद के लिए पूछ सकते हैं

बच्चों की साक्षरता व अंकज्ञान की नींव तब पड़ती है जब वे बड़ों को 'वास्तविक' उद्देश्यों के लिए लिखित भाषा का व गणित के विचारों का प्रयोग करते हुए देखते हैं। उदाहरण के लिए, बाज़ार से सामान खरीदने वाली वस्तुओं की सूचीयां बनाना व उनका प्रयोग करना, भोजन बनाने की विधियों का अनुसरण करना, पहाड़ों का, टेलीफ़ोन डायरेक्टरी व कलैंडरों का प्रयोग

स्कूल जाने वाली उम्र के बच्चों को गृहकार्य पूरा करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं और देखभालकर्ता बच्चों के स्कूल में अनुभवों व सफलता में विशेष रूचि लेते हैं व सहयोग देते हैं। हर बच्चे की स्कूल शिक्षा में रूचि ले कर, देखभालकर्ता यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि वे पारिवारिक दैनिक देखभाल में आगे सीखने के पूरक अनुभव व अवसर प्रदान करें।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 3.7
देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों की सृजनात्मक अभिव्यक्ति का समर्थन करें

सृजन का अर्थ है सोच के तरीके, अनुभव, सोच व अभिव्यक्ति में मौलिकता द्वारा बनाना व करना। जबकि सृजन की व्याख्या करते समय हम सामान्य रूप से संगीत, गति व दृश्य कला पर ज़ोर देते हैं, यह याद रखना जरूरी है कि सृजन दूसरे क्षेत्रों में भी होता है जैसे कि भाषा, गणित, विज्ञान और तकनीकी, समस्या सुलझाने व संबंधों में।

देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों में सृजनशीलता को विकसित करने में एक महत्त्वपूर्ण भाग अदा करते हैं जब वे बच्चों को सामान मोड़ तोड़ कर वस्तुओं को दर्शाने, चीज़ें बनाने, संगीत बनाने और अपने विचार व भावनाओं को प्रकट व कहने के लिए अवसर प्रदान करते हैं। बहुमुखी साधन प्रदान कर, बिना किसी जल्दी का समय और बच्चों के कार्य में सच्ची रूचि ले कर व उनकी प्रशंसा कर, देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ सृजनात्मक अभिव्यक्ति के विकास में मदद करते हैं

बच्चे चीज़ों को दर्शाने के लिए व अपने विचारों को प्रकट व कहने के लिए सभी प्रकार के सामानों का प्रयोग करते हैं, न कि केवल कलात्मक सामानों का। जब वे स्वयं अपनी खोज कर सकते हैं और सृजनात्मक होने के विभिन्न तरीके विकसित करते हैं तो बच्चे समझ जाते हैं कि उनके विचार महत्त्वपूर्ण व मूल्यवान माने जाते हैं। बच्चों के लिए रूचिकर व जिज्ञासापूर्ण वातावरण व साधन प्रदान करना उनके प्रश्नों को उकसाता है, उनकी कल्पना को जगाता है और उन्हें खोज करने के लिए उत्साहित करता है। उदाहरण के लिए एक ऐसा वातावरण जहां :

- उन्हें दृश्य कला में प्रयोग होने वाले औजार व सामान दिए जाते हैं और अपनी रचना करने के लिए अपने तरीके से अपनी अभिव्यक्ति के लिए उनका प्रयोग करने को कहा जाता है, बजाय कि स्टेन्सिल व रंगभरने वाली पुस्तकों के
- उन्हें बिना बिस्कुट काटने के सांचे या बेलन का प्रयोग किए, सान कर गीले कए गए आटे व मिट्टी को महसूस करने, पीसने, नोचने, निचोड़ने, बेलने व चपटा करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाता है
- उन्हें प्राकृतिक वातावरण में रंगों, बनावटों, दृश्यों व ध्वनियों की खोज करने के लिए उत्साहित किया जाता है। उदाहरण के लिए, पत्तियों, पेड़ों,पत्थरों व शंखों को देखने के लिए आतशी शीशों का प्रयोग करना, वर्षा व हवा की की आवाज़ सुनना, प्रकाश के प्रभाव, मौसम के परिवर्तन व मौसम के प्रभाव के बारे में बात करना
- उन्हें ध्वनि के साथ सुनने, गाने, नृत्य करने के अनुभवों के अवसर प्रदान किए जाते हैं। बाज़ार व पुराने सामान की दुकानें कई प्रकार के व्यावसायिक और घर में बने संगीत वाद्ययंत्रों के अच्छे स्त्रोत हैं। इनका प्रबंध किया जाता है ताकि बच्चे स्वतंत्र रूप से व अपने तरीकेसे उन्हें ढूंढ सकें व उनके साथ व्यस्त हो सकें
- उन्हें विस्तृत प्रकार के शास्त्रीय से ले कर रैप संगीत तक और कई प्रकार की संस्कृतियों, रूप व कालों के संगीत व नृत्य से अवगत कराया जाता है। आडियो व वीडियो टेपें एक अच्छे विकल्प का कार्य करती हैं जहां कीमत व दूरी के कारण संगीतकारों व नृत्यकों के पास जाना संभव नहीं होता।
- उनके कल्पनात्मक विचारों व खेल को कहानियां सुनाकर, कठपुतलियों व भूमिकाओं द्वारा उत्साहित किया जाता है। 'भालू की खोज़' या 'जंगल में सैर' के लिए बगीचा या पार्क एक आदर्श स्थान है जबकि रेत का ढेर पुरातत्त्व खुदाई का या छुपे हुए खजाने की शुरूआत का स्त्रोत बन सकता है
- उन्हें काल्पनिक खेल के लिए वस्त्र व उपकरण दिए जाते हैं जो समुदाय की सामाजिक व सांस्कृतिक विभिन्नता का प्रदर्शन करते हैं
- उन्हे डिब्बे, गत्ते के डिब्बे, गत्ते के गोलाकार पदार्थ, खाली डिब्बे, बोतलें, ठप्पे व लकड़ी के कटे हुए टुकड़ों जैसे सामान प्रदान किए जाते हैं जिनसे बच्चे त्रिविम कलाकृतियों का अनुभव लेते हैं
- उन्हें लम्बी अवधि तक चलने वाली योजनाओं के लिए समय व अवसर दिए जाते हैं और उन्हें संग्रह करने का स्थान होता है
- उनके कार्यों को इस तरह दिखाया जाता है कि वह हर बच्चे के प्रयत्न का सम्मान करते हैं। चल रहे कार्यों व अस्थाई कार्यों जैसे कि ब्लाक रचना या रेत से रचना जैसे कार्यों की तस्वीरें, कार्यों का रिकार्ड रखने के लिए ली जा सकती हैं।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

गुणता क्षेत्र 4

FDCQA *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका (Quality Practices Guide)* का सार

निम्न प्रस्तावनाऐ पारिवारिक दैनिक देखभाल गुणवत्ता आश्वासन (FDCQA) *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका* (द्वितीय संस्करण, 2004) से ली गई है। ये प्रस्तावनाऐं हर सिद्धांत के सूचको को मजबूत करती है और देखभाल के हर पहलू का संदर्भ और उद्देश्य प्रदान करती हैं। ये प्रस्तावनाऐ बच्चो और उनके परिवारो के लिए वांछित परिणामो को बेहतर रूप से समझ पाने को सुनिश्चित करेंगी।गुणता सूचको के बारे मे अधिक जानकारी के लिए कृपया FDCQA *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका (Quality Practices Guide)* को देखे।

स्वास्थ्य, आरोग्य ज्ञान, पोषण, सुरक्षा व कल्याण

पारिवारिक दैनिक देखभाल वाले घर शिशु देखभाल का एक विशेष परिवेश स्थापित करते हैं क्योंकि ये पारिवारिक घर व शिशु देखभाल वातावरण का दोहरा कार्य करते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि बच्चों को उच्च कोटि की देखभाल मिले, संयोजक यूनिट स्टाफ़ और देखभालकर्ता बच्चों के स्वास्थ्य, सफाई, पोषण, सुरक्षा व आकस्मिक घटनाओं की कार्यविधि में वर्तमान अनुसंधान व प्रस्तावित चलन से परिचित रहते हैं।

यह आवश्यक है कि योजना का स्टाफ़ व देखभालकर्ता बच्चों की सुरक्षा व कल्याण से संबंधित विशेषतः बाल-सुरक्षा से संबंधित सभी राज्यों व क्षेत्रीय कानूनों की शर्तों से अवगत हों व उन्हें पूरा करें।

सब बच्चों का निजी कौशल व पृष्ठभूमि चाहे जो भी हो उन्हें हक है कि वे एक ऐसे वातावरण में उच्च कोटि की देखभाल का अनुभव करें जो स्वच्छ, सुरक्षित, स्वास्थ्य-वर्धक हो और अपने देखभाल के कर्तव्य को निबाहते हुए, देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ पारिवारिक दैनिक देखभाल वातावरण के विशेष पहलुओं और बच्चों व परिवारों की व्यक्तिगत जरूरतों व सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों का ध्यान रखें। यह बच्चों के खाने के समय, उनकी नींद व आराम, कपड़े पहनने व उनकी व्यक्तिगत स्वच्छता की योजना करते समय विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है।

सिद्धांत 4.1: बच्चों को प्रदान किए गए वातावरण सुरक्षित हों

सिद्धांत 4.2: भोजन व पेय पदार्थ पौष्टिक व संस्कृति के अनुरूप हों

सिद्धांत 4.3: सभी बच्चों के स्वास्थ्य व सुरक्षा की रक्षा की जाती है

सिद्धांत 4.4: लंगोट बदलना, शौचालय जाना और स्नान करना बच्चों के लिए अच्छे अनुभव हों

सिद्धांत 4.5: बच्चों के आराम, सोने व सुविधा की जरूरतों का समर्थन हो

सिद्धांत 4.6: राज्य व प्रदेश में बच्चों की सुरक्षा व कल्याण से संबंधित वर्तमान कानून का लगातार पालन किया जाए

© Australian Government 2004.
This document is an extract from the Family Day Care Quality Assurance (FDCQA) *Quality Practices Guide* (2nd edition, 2004) published by the National Childcare Accreditation Council (NCAC) Inc.

सिद्धांत 4.1

बच्चों को प्रदान किए गए वातावरण सुरक्षित हों

जैसे कि देखभाल का वातावरण एक पारिवारिक घर भी है देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ को देखभालकर्ता के परिवार की गोपनीयता व सुविधा के अधिकार के सम्मान व बच्चों के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाने के नाज़ुक संबंध को पहचानना होगा और उसका प्रबंध करना होगा।

छोटे बच्चों को घर में विद्यमान संभावी खतरों की समझ नहीं होती। प्रबंधक वर्ग , संयोजक यूनिट स्टाफ़ और देखभाल कर्ताओं को यह सुनिश्चित करना एक कानूनी व नैतिक दायित्व है कि सदैव सभी बच्चों को संभावित खतरनाक पदार्थ, पौधे या वस्तुऐं न मिल पाऐं।

राज्य व क्षेत्र के लाईसेन्स के अधिनियम, सार्वजनिक स्वास्थ्य कानून व्यावसायिक स्वास्थ्य व सुरक्षा के कानून और *पारिवारिक दैनिक देखभाल के राष्ट्रीय मानक (National Standards for Family Day Care)**, पारिवारिक दैनिक देखभाल के स्थानों के लिए स्वीकार्य सुरक्षा मानकों की रूप रेखा बताते हैं। बहुत से दूसरे मान्या प्राप्त स्वास्थ्य व सुरक्षा प्राधिकरण भी हैं जो देखभाल वातावरण में खतरों की जांच व उन्हें कम करने व खेलने के सामान व उपकरण जो सुरक्षा मानकों को पूरा करते हैं उनके चयन के लिए सलाह देते हैं।

प्रबंधक वर्ग संयोजक यूनिट स्टाफ़ व देखभालकर्ताओं का उत्तरदायित्व एक व्यवस्थित कार्यपद्धति का विकास करना है जो यह सुनिश्चित करे कि देखभाल के वातावरणों व उपकरणों की नियमित रूप से जांच हो और जहां सुरक्षा के खतरे पहचाने जाऐं व उन पर शीघ्र ध्यान दिया जाए।

पारिवारिक दैनिक देखभाल में सुरक्षा का वातावरण बनाए रखने के लिए कई बातों का ध्यान रखना ज़रूरी है। इनमें शामिल हैं :

- सफ़ाई के पदार्थ, कीटनाशक द्रव्य, ज़हर, प्रसाधन सामग्री, प्राथमिक उपचार के सामान व दूसरे खतरनाक, आग पकड़ने वाले और खतरनाक पदार्थों को सुरक्षित रूप से रखना
- हीटरों, अग्नि स्थलों, चूल्हों, ठंडा करने के यूनिटों व पंखों का सुरक्षित रूप से प्रयोग करना
- उन खतरों को कम करना जैसे खिलौने, उपकरण व फर्नीचर जिनमें बच्चा फंस, दब, कुचल या चोट खा सकता है
- यह सुनिश्चित करना है कि सारे उपकरण, स्वच्छ व अच्छी दशा में रखे जाऐं और आस्ट्रेलियन सुरक्षा मानकों पर पूरा उतरें। उदाहरण के लिए, खटोले, ऊंचा बैठने वाली कुर्सियां, कार की सीटें, बच्चों के प्रैम व स्ट्रोलर
- बाह्य वातावरण में संभावित खतरों को दूर करना,जैसे कि ताल, तालाब, मालगोदाम, जानवर व खतरनाक वनस्पति या तेज़ नुकीले कांटों या बड़े कांटे वाले पौधे
- सैर सपाटे की सुरक्षित रूप से योजना व संचालन
- कारों में या सार्वजनिक यातायात पर सुरक्षा से यात्रा करना
- छोटे बच्चों का सुरक्षापूर्ण संरक्षण करना यह समझते हुए कि बड़े बच्चों को नई शारीरिक चुनौतियों को बनाने व सामना करने की आवश्यकता होती है।
- बच्चों के जानवरों के साथ अंतरव्यवहार का प्रत्यक्ष निरीक्षण। उदाहरण के लिए जब तक कि बच्चों व जानवरों के परस्पर व्यवहार को एक बड़े व्यक्ति के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से न देखा जाए, जानवरों को बच्चों के खेलने के क्षेत्र से अलग रखा जाना चाहिए

देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ यह सुनिश्चित करते हैं कि बच्चे अंदर व बाहर की गतिविधियों व अवस्थाओं के अनुरूप उचित कपड़े पहनें। संयोजक यूनिट स्टाफ़, देखभालकर्ता व परिवारों से सलाह करके यह योजना राज्य व क्षेत्रीय कैंसर संस्थाओं द्वारा दिए गए प्रस्तावों को ध्यान में रखते हुए सूर्य से बचाव की नीति विकसित करती है व उसे नवीनतम रखती है।

देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ का उत्तरदायित्व यह सुनिश्चित करना है कि नीति का लगातार पालन हो और वे हर समय सूर्य से बचाव के चलन का नमूना पेश करें। सूर्य से बचाव की नियमित रूप से जानकारी परिवारों को देने से दोनों घर व पारिवारिक दैनिक देखभाल के परिवेश में निरन्तरता रहती है।

---

* उन राज्यों व क्षेत्रों में जहां पारिवारिक दैनिक देखभाल के लाईसेन्स के कोई अधिनियम नहीं हैं, वहां पारिवारिक दैनिक देखभाल के राष्ट्रीय मानक सेवाओं को उनकी देखभाल में आए बच्चों के संरक्षण व सुरक्षा को निश्चित करने को लागू करने के लिए आधार-रेखा प्रदान करते हैं। कृपया परिवार व समुदाय सेवा विभाग (FACS) की *शिशु देखभाल सेवा पुस्तिका* देखें (इसे FaCS की वैबसाईट ww.facs.gov.au/childcare से प्राप्त किया जा सकता है)

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 4.2
भोजन व पेय पदार्थ पौष्टिक व संस्कृति के अनुरूप हों

जो भोजन बच्चे खाते हैं वह उनके बढ़ने, विकास, संपूर्ण व्यवहार व कल्याण पर असर करता है। इसलिए यह महत्त्वपूर्ण है कि बच्चों को दिया जाने वाला भोजन उनके सामान्य विकास को बढ़ाने के लिए पौष्टिक व उचित मात्रा में दिया जाए। बच्चे पारिवारिक दैनिक देखभाल में लम्बा समय भी बिता सकते हैं इसलिए देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ को परिवारों के साथ सहयोग से कार्य करना चाहिए, यह सुनिश्चित करने के लिए हर बच्चे की दैनिक पौष्टिकता की ज़रूरतें प्रदान की जाऐं।

खाना आनन्द का एक स्त्रोत भी है और यह ज़रूरी है कि, देखभालकर्ता व स्टाफ़ पौष्टिकता व शिष्टाचार के बारे में इतने ज्यादा चिंतित न हो जाऐं कि बच्चों के आनन्द से भोजन करने को ही भूल जाऐं। बाल्यावस्था में विकसित हुई बहुत सी खाने की आदतें व भोजन के प्रति रूख जिंदगी भर वैसे ही रहते हैं।

देखभालकर्ता यह सुनिश्चित करें कि भोजन करने का समय एक तनाव मुक्त सामाजिक अवसर है जहां वे :

- खाने के लिए सुखद व आकर्षक स्थान प्रदान करें
- जल्दी किए बिना एक, शांत माहौल पैदा करें
- बच्चों को रूचिकर बातचीत में लगाऐं
- स्वीकार्य व्यवहार का नमूना व अपने स्वयं के भोजनकालों के आनन्द का नमूना पेश करें
- हर बच्चे को स्वयं भोजन का चुनाव करने व स्वयं खाने के अधिकार का सम्मान करें।

जहां भोजन सेवा द्वारा दिया जाता है, देखभालकर्ता परिवारों के साथ कार्य करके यह सुनिश्चित करते हैं कि यह संस्कृति के अनुरूप हों। देखभालकर्ताओं को हर बच्चे के परिवार में खाने के समय की रीतियों के बारे में भी संवेदनशील होना चाहिए। जहां यह पारिवारिक दैनिक देखभाल के चलन से अलग हो, देखभालकर्ता व /या संयोजक यूनिट स्टाफ़ को परिवारों के साथ खुले रूप से इस विषय पर बातचीत करनी चाहिए और एक स्वीकार्य हल का समझौता करना चाहिए।

सुरक्षित रूप से भोजन के छूने को ध्यान रखते हुए देखभालकर्ता भोजन का समय सुखकर बनाने के प्रयत्नों का संतुलन करते हैं। भोजन चाहे परिवार या सेवा प्रदान करे, देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ भोजन छूने की उचित कार्यविधियों का अनुसरण करते हैं यह सुनिश्चित करने के लिए कि बच्चों द्वारा खाया जाने वाला भोजन सुरक्षित है और अपनी पौष्टिक गुणों को बनाए हुए है।

प्रबंधक वर्ग, संयोजक यूनिट स्टाफ़, देखभालकर्ता व परिवार भोजनको छूने, लाने, ले जाने व रखने की स्पष्ट नीतियों का विकास करनेके लिए हर राज्य व क्षेत्र में मान्यता प्राप्त स्वास्थ्य व सुरक्षा प्राधिकरणों द्वारा दी गई भोजन सुरक्षा जानकारी का प्रयोग कर सकते हैं। देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ के उचित प्रशिक्षण में भाग लेने से इन क्षेत्रों में योजना की नीतियों की गुणवत्ता का सुधार होता है।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 4.3

सभी बच्चों के स्वास्थ्य व सुरक्षा की रक्षा की जाती है

इस योजना द्वारा जो नीतियां स्टाफ़, देखभालकर्ताओं, परिवारों व मान्यता प्राप्त स्वास्थ्य प्राधिकरणों की सलाह से विकसित की जाती हैं, वे अच्छी कार्यविधियों व बच्चों और बड़ों के लिए सुरक्षित वातावरण का ढांचा प्रदान करती हैं। बच्चों की स्वास्थ्य रक्षा व आकस्मिक स्थितियों में उत्तरदायी रूप से काम करने के लिए निम्न स्पष्ट निर्देश दे कर प्रबंधक वर्ग संयोजक यूनिट स्टाफ़ व देखभालकर्ताओं को समर्थन व सहयोग देता है :

- संक्रामक बीमारियों का कम से कम फैलाव
- बीमारी के समय देख-रेख करना
- दवा देना
- आग व अन्य आकस्मिक घटनाओं के लिए योजना बनाना
- दांतों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देना

जब बच्चे एक समूह में होते हैं तो संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। बच्चों को परेशान करने के अतिरिक्त पारिवारिक दैनिक देखभाल में संक्रमण का नियमित रूप से फैलना काम करने वाले परिवारों के लिए परेशानी पैदा कर सकता है, विशेष रूप से यदि उन्हें काम से अधिक समय छुट्टी लेनी पड़े। यह देखभालकर्ताओं के लिए भी परेशानी पैदा कर सकता है यदि वे या उनके परिवार के सदस्य संक्रमण से ग्रस्त हैं या संक्रमण रोग से मुक्त हो रहे हैं।

संक्रमण नियंत्रण के आसान तरीके, जैसे कि नियमित रूप से अच्छी तरह से हाथ धोने से कई संक्रमण व रोगों को फैलने से रोका जा सकता है। उन स्थितियों में जहां हाथ धोना संभव न हो कीट नाशक 'गीले पोंछने ' के तौलिए या मान्यता प्राप्त स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा परखी गई कुछ अन्य कार्यविधियों का प्रयोग किया जा सकता है।

क्योंकि छोटे बच्चे कम समय में ही बीमार पड़ सकते हैं देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ को सचेत रहना चाहिए व उनको बीमारी के सामान्य लक्षणों का पता होना चाहिए। देखभालकर्ता बच्चे की बीमारी के आरंभिक लक्षणों, असामान्य व्यवहार या विकास को ध्यान से देखते हैं और बच्चे के परिवार और /या संयोजक यूनिट स्टाफ़ से परामर्श करते हैं। देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़, बच्चों को परिवार द्वारा दी गई लिखित अनुमति और योजना की स्पष्ट कार्यविधि के अनुसार दवाईयां या अन्य उपचार देते हैं।

अतिरिक्त डाक्टरी जरूरतों वाले बच्चे के लिए योजना के पास बच्चे के डाक्टर या चिकित्सा विशेषज्ञ की सलाह से बच्चे के परिवार द्वारा तैयार की गई व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल की योजना होती है। देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ को मालूम होता है कि योजना को कैसे लागू किया जाए।

देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों को और स्वयं को देखभालकर्ताओं के घरों से, खेल-समय स्थलों से और संयोजक यूनिट की सुविधाओं से आकस्मिक घटना के समय कुशलता से निकालने के लिए कार्यविधियों का विकास व उनका अभ्यास करते हैं। यह महत्त्वपूर्ण है कि आकस्मिक योजनाओं में सामान्य काम के घंटों के बाहर आकस्मिक घटनाओं की योजना शामिल हो। उदाहरण के लिए, रात भर में देखभाल के दौरान आकस्मिक सेवाओं का उपलब्ध होना व बच्चों का सुरक्षित स्थान पर ले जाना।

देखभालकर्ताओं व संयोजक यूनिट स्टाफ़ को आकस्मिक काल से संबंधित उपकरणों, जैसे कि अग्नि शामक दमकल और आग बुझाने वाले कंबलों के प्रयोग में उचित प्रशिक्षण दिया जाता है। देखभाल में आए बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिक उपचार व दिल की धड़कन दुबारा चालू करने (CPR) में प्रशिक्षण भी एक महत्त्वपूर्ण पहलू है।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 4.4
लंगोट बदलना, शौचालय जाना और स्नान करना बच्चों के लिए अच्छे अनुभव हों

परिचित, बिना जल्दी की, नियमित दिनचर्याएँ जिनका बच्चे पूर्वाभास कर सकते हैं, बच्चों को पुनराश्वासन देती हैं और बच्चों व बड़ों को जो उनकी देखभाल करते हैं उन पर दबाव कम करती हैं। देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों के घर स्नान, शौच व लंगोट बदलने के समय क्या होता है यह जानने के लिए परिवारों के साथ बातचीत करने हेतु समय लेते हैं और पारिवारिक दैनिक देखभाल में इन चीज़ों को कैसे किया जाएगा इसका फैसला एक दूसरे को बताते हैं।

लंगोट बदलना

लंगोट बदलने का समय शिशुओं व नन्हें मुन्ने बालकों के साथ परस्पर खेलने का अवसर प्रदान करता है। देखभालकर्ता परिचित आरामदायक दिनचर्याओं का विकास करते हैं जो बच्चे व परिवार के द्वारा बच्चे को पालने की रीतियों का निम्न द्वारा सम्मान करते हैं :

- परिवारों के साथ घर में होने वाली दिनचर्या व बच्चे द्वारा पसंद किए जाने वाले कार्यक्रम के बारे में बात करके अनुभव की एकरूपता व निरन्तरता को सुनिश्चित करना
- शिशुओं व नन्हें मुन्ने बालकों की सेहत, स्वच्छता और आराम बनाए रखने के लिए बार बार लंगोट बदलना
- नन्हें मुन्ने बालकों से उनके लंगोट को देखने के लिए पूछना व उनसे लंगोट बदलने के बारे में सकारात्मक तरीके से बातचीत करना
- यह समझाना कि लंगोट या कपड़े बदलना क्यों ज़रूरी है

देखभालकर्ता के घर व खेल-समय के स्थलों पर एक लंगोट बदलने के लिए एक अलग से क्षेत्र बना होता है। बदलने के लिए एक अप्रवेशनीय, धोई जाने वाली सतह वाले बैंच व चटाई का प्रयोग होता है व हर प्रयोग के बाद उसे साफ कर दिया जाता है। स्टाफ़, देखभालकर्ताओं व परिवारों की सलाह से योजना एक ऐसी व्यापक लंगोट बदलने वाली कार्यविधि का विकास करती है और उसे नवीनतम रखती है जो निम्न समझाती है :

- मान्यता प्राप्त स्वास्थ्य प्राधिकरणों से प्रचलित सलाह लेना
- दस्तानों का उचित प्रयोग व हाथ धोना
- गंदे लंगोटों को सुरक्षित ढंग से फैंकना
- धोने या फेंकने तक के तरीके जिनसे गंदे कपड़ों व बिस्तरों को सुरक्षित व स्वच्छ रखा जाए
- संक्रमण के फैलाव को कम करने के लिए कार्यविधियां

शौचालय जाना

जैसे जैसे बच्चे बड़े होते हैं उनमें अपने शरीर व वह कैसे कार्य करता है की समझ बढ़ती चली जाती है। देखभालकर्ता बालकों को उत्साहित करते हैं कि दूसरे बच्चों द्वारा शौचालय जाने की नकल करने में रुचि दिखाएं। बच्चे पर नज़र रखने से देखभालकर्ता को बच्चे के शौचालय जाने के प्रशिक्षण के लिए तैयार होने संबंधी मूल्यांकन करने में मदद मिलती है। बच्चे के परिवार के साथ बातचीत भी यह निश्चित करने में मदद करती है कि शौचालय जाने का प्रशिक्षण कब शुरु किया जाए। देखभालकर्ता शौचालय जाने के प्रशिक्षण के प्रति सहयोगपूर्ण व जल्दबाजी न करने वाला रुख निम्न के द्वारा अपनाते हैं :

- शौचालय जाने के प्रशिक्षण देने के लिए बच्चों के विकास के स्तर को समझना
- आराम से शौचालय जाने के संबंध में दबाव रहित रुख अपनाना
- बच्चों को शौचालय के इस्तेमाल में मदद करना और सकारात्मक रूप से उनके प्रयत्नों का समर्थन करना
- आवश्यकतानुसार बच्चों को शौचालय जाने के लिए याद करवाना व मदद करना
- यह समझना कि शौचालय जाने की योग्यता अविश्वसनीय हो सकती है।
- शौचालय की 'दुर्घटनाओं ' का शांति से उत्तर देना
- शौचालय के बाद बच्चों को हाथ धोने के लिए उत्साहित करना

स्कूल जाने से पूर्व व स्कूल जाने वाली उम्र के बच्चे

स्कूल जाने से पूर्व की उम्र वाले बच्चे अक्सर स्वयं शौचालय जाने व हाथ धोने के लिए उत्तरदायी होते हैं, लेकिन कुछ को फिर भी अच्छी स्वच्छ आदतों के लिए नमूना व प्रोत्साहन चाहिए होता है जब बड़े बच्चे देखभाल में होते हैं तब देखभालकर्ताओं व संयोजक यूनिट स्टाफ़ को बच्चों के शौच, स्नान व कपड़े पहनने के निरीक्षण संबंधी रणनीतियां विकसित करनी होंगी जो उनके सम्मान की रक्षा व उनकी गोपनीयता का आदर करती हैं। इस क्षेत्र में विशेष ध्यान देना आवश्यक है जब बच्चे पारिवारिक दैनिक देखभाल में लम्बे समय तक या रात भर रहते हैं।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 4.5

बच्चों के आराम, सोने व सुविधा की जरूरतों का समर्थन हो

योजना के पास खटोलों, बिस्तरों, बिस्तर के सामान व सोने के समय की कार्यविधियों की वर्तमान सुरक्षा जानकारी है। इस खोज का प्रयोग करके, और संयोजक यूनिट स्टाफ़, देखभालकर्ताओं व परिवारों के साथ सलाह करके, वह योजना पारिवारिक दैनिक देखभाल में बच्चों के नींद व आराम के समय के बारे में देखभालकर्ताओं के लिए स्पष्ट निर्देश विकसित करती है।

योजना की नीति व कार्यविधियों में निम्न शामिल हैं :

- आस्ट्रेलियन मानकों पर पूरा उतरने वाले सुरक्षित खटोलों का प्रयोग
- खटोलों का सुरक्षित रखा जाना, उदाहरण के लिए, उन खिड़कियों से परे जहां पर जालियां और /या पर्दों की डोरियां हैं।
- वे प्रथाऐं जो SIDS(अचानक छोटे शिशु की मृत्यु हो जाना)के खतरे को कम करती हैं।

- बच्चों को सोने के लिए उनकी पीठ के बल लिटाया जाता है

- सोने के समय बच्चों के चेहरे व सिर ढके न जाएं।

- बच्चों के पांव खटोले के पैताने में रखे जाते हैं और बिस्तर के कपड़ों को सुरक्षित रूप से लपेटा जाता है

- खटोले में कोई रजाई, फर वाली रजाई, तकिए या खटोले के बंपर नहीं होते

- शिशुओं व छोटे बच्चों के लिए बिजली से चलने वाले कंबल, गर्म पानी की बोतलें या गेहूं से भरे थैलों का प्रयोग नहीं किया जाता

- सोने के लिए प्रयोग किए जा रहे क्षेत्र में धुआं व ज्यादा गर्मी नहीं होती

देखभालकर्ता हर बच्चे की जरुरतों को पूरा करने के लिए नींद व आराम की कार्यविधियों का अनुपालन करते हैं। जो बच्चे आराम करना व सोना चाहते हैं वे वैसा कर सकते हैं और जो नहीं सोना चाहते उनके साथ जबरदस्ती नहीं की जाती। जो बच्चे सोना नहीं चाहते उन्हें पढ़ना, बात करना, सुनना व लिखना और चित्रकला, पहेलियां सुलझाना या बोर्ड गेम्स खेलने के अनुभव प्रदान किए जाते हैं। देखभालकर्ता हर बच्चे की नींद व आराम की दिनचयकि बारे में बच्चे के परिवार से बात करते हैं ताकि घर व देखभाल की दिनचर्या में अधिकतम निरन्तरता बनाई जा सके।

कुछ बच्चों के लिए, विशेष रूप से जब वे देखभाल में व्यवस्थित हो रहे होते हैं, एक अपरिचित स्थान में सोना व जागना डराने वाला हो सकता है। देखभालकर्ता हर बच्चे को व्यवस्थित करने के लिए आवश्यकतानुसार उन्हें झुला कर या थपकी दे कर और शायद मधुर संगीत प्रदान कर समय बिताते हैं।

परिवारों को सुरक्षित सोने के सामान व आदतों की नियमित जानकारी दे कर घर व पारिवारिक दैनिक देखभाल व्यवस्था के बीच निरंतरता को बढ़ावा दिया जाता है।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 4.6
बच्चों की सुरक्षा व कल्याण से संबंधित राज्य व प्रदेश के वर्तमान कानूनों का लगातार पालन किया जाए

बच्चों का हित विशिष्ट रूप से महत्त्वपूर्ण है। देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी बच्चे जब पारिवारिक दैनिक देखभाल में हों, तब वे लैंगिक, भावनात्मक व शारीरिक दुर्व्यवहार से स्वतंत्र हों और उन्हें पर्याप्त भोजन, आश्रय, चिकित्सा से संबंधी ध्यान और निरीक्षण प्राप्त हो। देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ बच्चों द्वारा सामना किए जाने वाले खतरों के प्रति संवेदनशील होते हैं यदि वे घर में हिंसा, दुर्व्यवहार और डांट डपट वाले व्यवहार के साक्षी या शिकार होते हैं।

बच्चों को अधिक खतरा हो सकता है यदि जो वयस्क उनकी देखभाल कर रहे हैं उन्हें उस दुर्व्यवहार का पता हो और या वे जानकारी को अनुचित ढंग से लेते हैं या कोई कार्यवाही नहीं करते। योजना का उत्तरदायित्व है कि सेवा के प्रयोग द्वारा बच्चों के हित को सुरक्षित करे। देखभाल करने का कर्त्तव्य योजना में शामिल सभी मालिकों, प्रायोजकों, समितियों, लाईसैंस रखने वालों, संयोजक यूनिट स्टाफ़ व देखभालकर्ताओं द्वारा निभाया जाता है।

यह योजना अपनी बाल सुरक्षा नीति व कार्यविधियों को लिखित रूप में रखती है ताकि सभी दावेदारों को इसे समझने व अपने कानूनी दायित्वों को पूरा करने और बच्चों की सुरक्षा के विषयों की चर्चा होने पर उनको प्रभाव शाली ढंग से संभांलने में मदद मिले। बाल सुरक्षा नीतियों में निम्न के बारे में जानकारी शामिल है :

- बच्चों की सुरक्षा के लिए इस योजना की वचनबद्धता
- बाल सुरक्षा के मामलों में प्रबंधक वर्ग,संयोजक यूनिट स्टाफ़ व देखभालकर्ताओं के दायित्व
- रिर्पोट करने की कार्यविधियां
- गोपनीयता व रिकार्ड रखना

बच्चों की सुरक्षा करने वाले वातावरण स्थापित करने से, देखभाल मेंआए बच्चों का खतरा कम होता है। योजना निम्न का ध्यान रखती है :

- स्टाफ़, देखभालकर्ता व परिवारों के लिए जानकारी की पुस्तिकाओं में बाल सुरक्षा नीति को शामिल करना
- संयोजक यूनिट स्टाफ़, देखभालकर्ताओं व उनके परिवार की प्रारंभिक भूमिका की प्रक्रिया में बाल सुरक्षा नीतियों व कार्यविधियों की जानकारी शामिल करना
- संयोजक यूनिट स्टाफ़ व देखभालकर्ताओं की नियुक्ति के समय अपराध, रिकार्ड की छानबीन का प्रयोग करना (यह कुछ राज्य व क्षेत्रीय कानूनों द्वारा अपेक्षित है)।
- यह सुनिश्चित करने के लिए रणनीतियां बनाना कि बच्चों की हर समय उचित रूप से देखभाल की जा सके।
- यह सुनिश्चित करने के लिए रणनीतियां बनाना कि बच्चों को धुऐं, नशीली दवाओं व शराब से रहित वातावरण में रखा जाए
- योजना में आने वाले स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों, अनियत स्टाफ़ व आगुंतकों का निरीक्षण करना
- संयोजक यूनिट स्टाफ़ व देखभालकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान करना ताकि वे योजना की बाल सुरक्षा नीतियों व कार्यविधियों को समझ सकें और बाल सुरक्षा विषयों की रपट लिखाने की प्रक्रिया के बारे में स्पष्ट हों
- बाल सुरक्षा के साधनों के बारे में जानकारी प्रदान करना जो संयोजक यूनिट स्टाफ़, देखभालकर्ताओं व परिवारों के द्वारा आसानी से प्राप्त की जा सकती है
- यह सुनिश्चित करना कि बाल सुरक्षा जानकारी नियमित रूप से नवीनतम रखी जाए और नीतियों व कार्यविधियों पर पुनर्विचार किया जाए और उन्हें नवीनतम रखा जाए
- बड़े बच्चों के लिए सुरक्षित व्यवहार कार्यक्रमों को शामिल करना

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

गुणता क्षेत्र
5

FDCQA *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका (Quality Practices Guide)* का सार

निम्न प्रस्तावनाऐ पारिवारिक दैनिक देखभाल गुणवत्ता आश्वासन (FDCQA) *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका* (द्वितीय संस्करण, 2004) से ली गई है। ये प्रस्तावनाऐं हर सिद्धांत के सूचको को मजबूत करती है और देखभाल के हर पहलू का संदर्भ और उद्देश्य प्रदान करती हैं। ये प्रस्तावनाऐ बच्चो और उनके परिवारो के लिए वांछित परिणामो को बेहतर रूप से समझ पाने को सुनिश्चित करेंा।गुणता सूचको के बारे मे अधिक जानकारी के लिए कृपया FDCQA *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका (Quality Practices Guide)* को देखे।

देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़

संयोजक यूनिट स्टाफ़ का दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि योजना की गतिविधियों, कार्यक्रमों व संगठन में गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कार्यविधियां, नीतियां व तरीके बनाए जाऐं। संयोजक यूनिट स्टाफ़ यह सुनिश्चित करने के लिए देखभालकर्ताओं, परिवारों व अन्य व्यावसायिकों के साथ काम करते हैं कि योजना की कार्यकर्ता संबंधी नीतियां व कार्यविधियां प्रभावशाली हों और सभी संबंधित कानून की अपेक्षाओं को पूरा करती हों जिनमें व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के अधिनियम भी शामिल हैं। व्यावसायिक विकास के महत्त्व को स्वीकार करना व बढ़ावा देना और प्रभावशाली नियुक्ति के तरीके योजना के समर्थन और इसके स्टाफ़ व देखभालकर्ताओं की व्यावसायिकता के लिए मूलभूत हैं।

संयोजक यूनिट स्टाफ़, देखभालकर्ता व परिवार योजना की उपलब्धियों का मूल्यांकन करते हैं और सभी शामिल व्यक्तियों के पहलुओं से भविष्य में सुधार के क्षेत्रों को पहचानते हैं। सभी दावेदारों को योजना के गुणवत्ता संबंधी तरीकों व निरन्तर चल रही सुधार योजनाओं के विकास में मिल कर काम करने के नियमित रूप से अवसर दिए जाते हैं। परिवारों, देखभाल कर्ताओं व संयोजक यूनिट स्टाफ़ को चल रही सुधार रणनीतियों पर इकट्ठे मिल कर काम करने के लिए प्रोत्साहन देने से योजना के सभी प्रचलनों के व्यावहारिक और संबंधित रूखों के विकास को समर्थन मिलता है।

सिद्धांत 5.1: देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ की नई भर्ती, चुनाव व परिचय कराने की कार्यविधियां, एक अच्छी सेवा का प्रबन्ध करने को प्रोत्साहन दें व समर्थन करें

सिद्धांत 5.2: वर्तमान पद्धतियों के निरीक्षण और निरंतर सुधार वाले क्षेत्रों को पहचानने के लिए योजना की एक व्यस्थित प्रक्रिया बनी हुई है।

सिद्धांत 5.3: देखभालकर्ताओं, संयोजक यूनिट स्टाफ़ व प्रबंधक वर्ग में शामिल अन्य लोगों को व्यावसायिक विकास के अवसर उपलब्ध हों

सिद्धांत 5.4: योजना व्यावसायिक स्वास्थ्य व सुरक्षा को बढ़ावा देती है

© Australian Government 2004.
This document is an extract from the Family Day Care Quality Assurance (FDCQA) *Quality Practices Guide* (2nd edition, 2004) published by the National Childcare Accreditation Council (NCAC) Inc.

सिद्धांत 5.1

देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़ की नई भर्ती, चुनाव व परिचय कराने की कार्यविधियां, एक अच्छी सेवा का प्रबन्ध करने को प्रोत्साहन दें व समर्थन करें

प्रभावशाली नियुक्ति व परिचय कराने की प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि यथासंभव उत्तम संयोजक यूनिट स्टाफ़ और देखभाल कर्ता योजना के प्रति आर्कषित हों और उसमें वहीं काम करते रहें और उच्च कोटि के मानक व देखभाल में निरन्तरता बनाई रखी जाए।

बच्चे व उनके परिवार, देखभालकर्ताओं व संयोजक यूनिट स्टाफ़ के साथ विश्वसनीय संबंध विकसित करते हैं। यह तब प्राप्त किया जा सकता है जब बच्चों व उनके परिवारों को एक जैसे ही देखभालकर्ता व स्टाफ़ उपलब्ध होते हैं और जब वे घर की दिनचर्याओं से मिलती हुई देखभाल की रीतियों का अनुभव करते हैं। देखभाल में व घर की दिनचर्याओं में निरन्तरता बनाए रखने के लिए ऐसे यथायोग्य प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं व संयोजक यूनिट स्टाफ़ कीनियुक्ति द्वारा समर्थन मिलता है, जिनकी सांस्कृतिक व भाषा की पृष्ठभूमियां परिवारों व स्थानीय समुदाय को प्रतिबिंबित करती हैं।

नए देखभालकर्ताओं व संयोजक यूनिट स्टाफ़ की परिचय की प्रक्रिया कुछ सप्ताह या शायद कुछ महीने चलना ज़रूरी हो सकती है। यद्यपि, योजना के प्रारंभिक परिचय के भाग में, सभी नए देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ को निम्न से लाभ होता है :

- योजना के बारे में इसके दर्शन व उद्देश्यों के बारे में लिखित जानकारी
- नौकरी और /या कार्य की व्याख्या और, जहां उचित हो, व्यवसाय की शर्तें
- जहां पारिवारिक दैनिक देखभाल के लाईसेंस के कोई अधिनियम नहीं हैं वहां संबंधित राज्य व क्षेत्रीय लाईसेंस विधान या *पारिवारिक दैनिक देखभाल के राष्ट्रीय मानकों (National Standards for Family Day Care)** के बारे में लिखित जानकारी
- योजना की वर्तमान नीतियों व कार्यविधियों की प्रतियां
- सुरक्षित कार्य नीतियों की जानकारी

सभी नए स्टाफ़ व देखभालकर्ताओं को नई पुस्तिका प्रदान करने से यह सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है कि सभी देखभालकर्ताओं व संयोजक यूनिट स्टाफ़ को दी गई जानकारी एकरूप है।

कई उदाहरणों में नए देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ स्वतंत्र रूप से काम करने से पहले किसी अधिक अनुभवी स्टाफ़, व्यक्ति या देखभालकर्ता के साथ काम करने के अवसर से लाभ उठा सकते हैं।

* उन राज्यों व क्षेत्रों में जहां पारिवारिक दैनिक देखभाल के लाईसेन्स के कोई अधिनियम नहीं हैं, वहां पारिवारिक दैनिक देखभाल के राष्ट्रीय मानक सेवाओं को उनकी देखभाल में आए बच्चों के संरक्षण व सुरक्षा को निश्चित करने को लागू करने के लिए आधार-रेखा प्रदान करते हैं। कृपया परिवार व समुदाय सेवा विभाग (FACS) की *शिशु देखभाल सेवा पुस्तिका* देखें (इसे FaCS की वैबसाईट www.facs.gov.au/childcare से प्राप्त किया जा सकता है)

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 5.2

वर्तमान पद्धतियों के निरीक्षण और निरंतर सुधार वाले क्षेत्रों को पहचानने के लिए योजना की एक व्यस्थित प्रक्रिया बनी हुई है ।

वाद-विवाद, कार्यनीतियों के अवलोकन को उत्साहित कर व एक दूसरे को रचनात्मक प्रतिपुष्टि दे कर, प्रबंधक वर्ग, संयोजक यूनिट स्टाफ़ व देखभालकर्ता उन तरीकों की पहचान करने के लिए एक साथ मिल कर कार्य करते हैं जिनके द्वारा योजना का सुधार हो सकता है ।

देखभालकर्ताओं व संयोजक यूनिट स्टाफ़ के साथ परामर्श कर अपनी वर्तमान नीतियों के निरीक्षण के लिए योजना एक व्यवस्थित प्रक्रिया का विकास करती है यह सुनिश्चित करते हुए कि जहां कोई पारिवारिक दैनिक देखभाल लाईसेन्स अधिनियम नहीं हैं, वहां राज्य व क्षेत्रीय बाल सुरक्षा कानून या *राष्ट्रीय पारिवारिक दैनिक देखभाल के राष्ट्रीय मानकों (National Standards for Family Day Care)** का पालन किया जाए । निरीक्षण की प्रक्रिया जिसमें किन्हीं भी कमियों को संबोधित करने के लिए स्वीकृत कार्यविधियां शामिल हैं, को लेखबद्ध किया जाता है और नए देखभालकर्ताओं व संयोजक यूनिट स्टाफ़ को दिए जाने वाले सामान में शामिल कर प्रदान किया जाता है ।

संयोजक यूनिट स्टाफ़ द्वारा देखभालकर्ताओं के घर पर दौरों से संबधित नीति ऐसे व्यावसायिक लेकिन सुखद तरीकों को स्पष्ट करती है जिसके अनुसार दौरे संचालित किए जाते हैं । यह नीति संयोजक यूनिट स्टाफ़ व देखभालकर्ता दोनों के अधिकार व दायित्वों की रूपरेखा बताती है और निम्न को ध्यान में रखती है :

- दौरों का उद्देश्य व परिणाम
- दौरों की आवृति व समय
- निर्धारित व स्वेच्छानरूप दौरों के संतुलन तथा
- दौरों के बारे रखे जाने वाला रिकार्ड

सभी दावेदारों को, जिनमें स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधि शामिल हैं, योजना के बारे में नियमित चर्चा में शामिल होने के अवसर दिए जाते हैं । इसे सुगम बनाने के लिए, योजना उन विघ्नों को पहचानती व संबोधित करती है जो व्यक्तियों या समूहों को उनके विचारों की सुनवाई से रोकते हैं ।

परिवारों, देखभालकर्ताओं, स्टाफ़ व प्रबंधक वर्ग द्वारा इकट्ठे किए गए वर्तमान रीतियों के मूल्यांकन के परिणाम इस योजना का 'स्नैपशॉट' बनाते हैं जो प्रबल और सुधारे जाने वाले क्षेत्रों को उजागर करती है । यह 'स्नैपशॉट' आधार रेखा बन जाती है जिसके अनुसार भविष्य में किए जाने वाले सुधार मापे जा सकते हैं ।

एक लिखित निरन्तर सुधार योजना, प्रबंधक वर्ग, देखभाल कर्ताओं व स्टाफ़ को जो वे प्राप्त करना चाहते हैं उसे स्पष्ट रूप से पहचानने में व काम पर केन्द्रित रहने के लिए मदद करती है । इस प्रकार की योजना प्राप्त किए जा सकने वाले लक्ष्यों, प्रयोग की जाने वाली रणनीतियों, इसमें शामिल होने वाले लोगों, स्त्रोतों और /या अपेक्षित प्रशिक्षण व समय सीमा जिसमें कार्य पूरे किए जाने हैं, को सामान्य रूप से पहचानती है ।

---

* उन राज्यों व क्षेत्रों में जहां पारिवारिक दैनिक देखभाल के लाईसेन्स के कोई अधिनियम नहीं हैं, वहां पारिवारिक दैनिक देखभाल के राष्ट्रीय मानक सेवाओं को उनकी देखभाल में आए बच्चों के संरक्षण व सुरक्षा को निश्चित करने को लागू करने के लिए आधार-रेखा प्रदान करते हैं । कृपया परिवार व समुदाय सेवा विभाग (FACS) की *शिशु देखभाल सेवा पुस्तिका* देखें (इसे FaCS की वैबसाईट www.facs.gov.au/childcare से प्राप्त किया जा सकता है)

© Australian Government 2004

सिद्धांत 5.3
देखभालकर्ताओं, संयोजक यूनिट स्टाफ़ व प्रबंधक वर्ग में शामिल अन्य लोगों को व्यावसायिक विकास के अवसर उपलब्ध हों

योजना के स्टाफ, देखभालकर्ता व प्रबंधक वर्ग का ज्ञान व योग्यता, सेवा की उत्तमता में प्रतिबिंबित होता है।

जब कि एक विस्तृत व संरचित भूमिका कार्यक्रम यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि नए देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ पूरा विश्वस्त महसूस करें और पारिवारिक दैनिक देखभाल में अपने हर एक काम के लिए अच्छे से तैयार हों, निरन्तर व्यावसायिक विकास यह सुनिश्चित करने में एक अभिन्न भाग अदा करता है कि कौशल व ज्ञान को बनाए रखा जाए, बढ़ाया जाए और नवीनतम रूप में रखा जाए।

देखभालकर्ता, संयोजक यूनिट स्टाफ़ व प्रबंधक वर्ग का संयुक्त दायित्व है कि वे प्रशिक्षण की जरूरतों को पहचानें व व्यावसायिक विकास की योजना करें जो योजना को बच्चों व परिवारों को प्रदान की जाने वाली सेवा की उच्च कोटि बनाए रखने व निरन्तर सुधार करने में मदद करेगा।

प्रशिक्षण की जरूरतों व प्रधानता को, योजना के अपने अध्ययन, परिवारों द्वारा की गई प्रतिपुष्टि व स्टाफ़ व देखभालकर्ता की समीक्षाओं से एकत्रित की गई जानकारी के विश्लेषण से पहचाना जाता है। प्रशिक्षण योजनाओं को योजना की निरन्तर सुधार योजनाओं और प्रारंभिक बाल्यावस्था व स्वास्थ्य और सुरक्षा क्षेत्रों की वर्तमान जानकारी व अनुसंधान द्वारा सूचित किया जाना चाहिए।

देखभालकर्ताओं, संयोजक यूनिट स्टाफ़ व प्रबंधक वर्ग में शामिल अन्य लोगों के विभिन्न सीखने के ढंगों व पृष्ठभूमियों व दूरी और स्त्रोतों की प्राप्ति जैसे विषयों को प्रशिक्षण व विकास की गतिविधियों की योजना करते समय ध्यान में रखा जाता है। दावेदारों को कई प्रकार के व्यावसायिक विकास के अवसरों को ध्यान में रखना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए :

- देखभालकर्ता, स्टाफ़ व प्रबंधक वर्ग में शामिल अन्य लोगों द्वारा अपनी निपुणता को आपस में बांटना, अपना समर्थन देना और अपने सहकर्मियों के लिए विश्वसनीय सलाहकार का कार्य करना
- देखभालकर्ताओं को एक दूसरे की मदद व विचार आपस में बांटनें के लिए छोटे समर्थन समूह बनाने के लिए उत्साहित करना
- घर के दौरों को आमने सामने प्रशिक्षण के अवसरों के लिए अनौपचारिक रूप से प्रयोग करना
- खेल समयों को उत्तम रीति के प्रदर्शन के लिए प्रयोग करना
- दूसरी योजनाओं के साथ मिल कर काम करना व देखभालकर्ताओं संयोजक यूनिट स्टाफ़ व प्रबंधक वर्ग में शामिल अन्य लोगों की निपुणता को आपस में बांटना
- बहुमुखी संस्कृतियों व स्वदेशीय समुदायों द्वारा महसूस की जा रही जरूरतों व मसलों के बारे में उनके अनुभवों, ज्ञान व विचारों को आपस में बांटने के लिए स्थानीय क्षेत्र से विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों वाले लोगों को आमंत्रण देना
- योजना में बच्चों के साथ काम करने वाले व्यावसायिकों या संबंधित अनुभव वाले परिवार के सदस्यों को देखभालकर्ताओं व स्टाफ़ के लिए आंतरिक व्यावसायिक विकास के सत्र चलाने के लिए आमंत्रित करना
- स्त्रोत व प्रशिक्षण ऐजेन्सियों, व्यावसायिक विकास ऐजन्सियों व टैक्नीकल एंड फरदर एजूकेशन (TAFE) संस्थाओं व विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जा रहे छोटी अवधि वाले पाठ्यक्रमों का प्रस्ताव करना
- नई जानकारी लेने, मिलने जुलने और इस क्षेत्र में दूसरे लोगों के साथ विचारों की अदला बदली करने के लिए सम्मेलनों व संगोष्ठियों में उपस्थिति के लिए प्रोत्साहन देना
- दूसरों के साथ सीखी गई बातों को आपस में बांटने के लिए स्टाफ़ व देखभालकर्ताओं को विश्वविद्यालय या TAFE में औपचारिकअध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित करना
- स्टाफ़ व देखभालकर्ताओं को उधार देने के लिए वीडियो, पत्रिकाऐं व अन्य व्यावसायिक स्त्रोत प्रदान करना
- संबंधित विषयों पर अपनी गति से करने वाले प्रशिक्षण पैकेज़ों का विकास करना
- लाभप्रद वैबसाईटों की वर्तमान सूची बनाए रखना जिसे देखभालकर्ता व स्टाफ़ शिशु देखभाल से संबंधित रुचिकर विषयों की खोज करने के लिए प्राप्त कर सकते हैं

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

प्रभावशाली प्रशिक्षण, देखभालकर्ताओं व संयोजक यूनिट स्टाफ़ के लिए विविध, उपयोगी, सुसंगत व चुनौती भरा होता है और पारिवारिक दैनिक देखभाल प्राविधान के विशेष क्षेत्रों पर केन्द्रित होता है। उदाहरण के लिए, छोटे व्यवसाय का प्रबंधन करना, बच्चों का शिक्षण व विकास, बाल्यावस्था के शिक्षण व देखभाल के वर्तमान सिद्धांत, खतरे से निबटने का प्रबंधन व 'देखभालकर्ता की देखभाल करना'

देखभालकर्ता, संयोजक यूनिट स्टाफ़ व प्रबंधन में शामिल अन्य लोगों द्वारा व्यावसायिक विकास के अनुभव के मूल्यांकन से भविष्य में संबंधित व प्रभावशाली प्रशिक्षण के अवसरों की योजना करने में मदद मिलती है।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 5.4
योजना व्यावसायिक स्वास्थ्य व सुरक्षा को बढ़ावा देती है

किसी भी शिशु देखभाल के परिवेश में कार्य करना शारीरिक व भावनात्मक रूप से चुनौती पूर्ण हो सकता है। संबंधित व्यावसायिक स्वास्थ्य व सुरक्षा कानून का पालन देखभाल व संयोजक यूनिट स्टाफ़ के लिए एक सुरक्षित कार्य के वातावरण को बनाए रखने के लिए अति आवश्यक है।

योजना के प्रबंधक वर्ग का दायित्व देखभालकर्ताओं व स्टाफ़ को जानकारी प्रशिक्षण व निरीक्षण प्रदान करना है ताकि उनकी सुरक्षा व बच्चों, परिवारों व योजना की सुविधाओं में आने वाले आगुंतकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। योजना की नीतियों कार्यविधियों व रीतियों के विकास व पुर्नविचार में व्यावसायिक स्वास्थ्य व सुरक्षा का अवश्य ही ध्यान रखा जाना चाहिए।

देखभालकर्ताओं और स्टाफ़ को निम्न के बारे में अवश्य सूचित किया जाना चाहिए :

- व्यावसायिक स्वास्थ्य व सुरक्षा के मामलों के संबंध में उनके व प्रबंधक वर्ग के उत्तरदायित्व
- संभावित खतरे, जैसे कि बिजली, रसायनिक पदार्थ, भवन व उपकरण
- पीठ की देखभाल व हाथ से कार्य करने की उचित तकनीकें
- दबाव व अत्याधिक थकावट से निपटने की रणनीतियां
- पारिवारिक दैनिक देखभाल में उठ सकने वाली कई ऐसी चुनौती भरी स्थितियों का सामना करने के लिए उचित प्रतिक्रिया जो स्टाफ़ देखभालकर्ता व देखभाल में आए बच्चों या देखभालकर्ता के परिवार को खतरे में डाल सकती है
- वयस्कों द्वारा टीके लगवाना
- प्राकृतिक / पर्यावरण की विपत्तियों व संकटपूर्ण घटनाओं के लिए प्रतिक्रिया
- आपातकालीन कार्यविधियां जिनमें निर्गमन व प्राथमिक उपचार शामिल हैं

यह जानकारी सभी नए देखभालकर्ताओं और स्टाफ़ को परिचय /आरंभिक शिक्षण प्रक्रिया के दौरान अवश्य दी जानी चाहिए।एक उचित रूप से प्रशिक्षित व्यावसायिक स्वास्थ्य व सुरक्षा प्रतिनिधि की नियुक्ति, योजना को व्यावसायिक स्वास्थ्य व सुरक्षा खतरों को पहचानने व उनसे प्रभावशाली ढंग से निपटने के लिए मदद कर सकती है।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

गुणता क्षेत्र
6

FDCQA *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका (Quality Practices Guide)* का सार

निम्न प्रस्तावनाऐ पारिवारिक दैनिक देखभाल गुणवत्ता आश्वासन (FDCQA) *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका* (द्वितीय संस्करण, 2004) से ली गई है। ये प्रस्तावनाऐं हर सिद्धांत के सूचको को मजबूत करती है और देखभाल के हर पहलू का संदर्भ और उद्देश्य प्रदान करती हैं। ये प्रस्तावनाऐ बच्चो और उनके परिवारो के लिए वांछित परिणामो को बेहतर रूप से समझ पाने को सुनिश्चित करेंगी।गुणता सूचको के बारे मे अधिक जानकारी के लिए कृपया FDCQA *गुणवत्ताचलन की मार्गदर्शिका (Quality Practices Guide)* को देखे।

प्रबंधक वर्ग व प्रशासन

योजना के प्रबंधक वर्ग व संयोजक यूनिट स्टाफ़ का यह कार्य है कि वे प्रबंधन की प्रभावशाली व नैतिक नीतियों व कार्यविधियों की स्थापना करें। योजना की नीतियों व कार्यविधियों की कानूनी अपेक्षाओं, प्रबंधन की वर्तमान 'उच्चतम रीति' द्वारा सूचित किया जाना चाहिए और उन्हें समुदाय की जरूरतों व मसलों के ज्ञान को भी दर्शाना चाहिए।

विस्तृत रूप से लिखी गई नीतियां व कार्यविधियां संयोजक यूनिट स्टाफ़, देखभालकर्ता, व परिवारों को प्रबंधन के मामलों में स्पष्ट निर्देशन प्रदान करती हैं। योजना के पुनर्विचार व विकास में सभी दावेदारों के सम्बद्ध होने से एक विश्वास व सामूहिक कार्य के वातावरण को बढ़ावा मिलता है और यह सुनिश्चित होता है कि नीतियां व कार्यविधियां वास्तविक जरूरतों को संबोधित करें और उन्हें सुसंगत व प्रभावशाली ढंग से लागू किया जाए।

योजना के उच्च कोटि के प्रबंधन का एक आवश्यक तत्त्व यह सुनिश्चित करता है कि परिवार, बच्चे, देखभालकर्ता व स्टाफ़ के रिकार्डों को संभालने, विश्वस्त रूप से प्रबंधन के लिए स्पष्ट व सुसंगत कार्यविधियां लागू हों। फैसला करने, कष्ट व शिकायतों से निपटने की नीतियां व कार्यविधियां साफ़ साफ़ हों और स्पष्ट उत्तरदायित्व की व्याख्या करती हों।

सिद्धांत 6.1: प्रबंधक वर्ग के चलन नैतिक हैं और संबंधित कानून के आधीन काम करती हैं

सिद्धांत 6.2: योजना सभी दावेदारों के साथ परामर्श व मिल कर कार्य करती है

सिद्धांत 6.3: रिकार्डों के प्रबंध के लिए योजना की एक कुशल, प्रभावी व नैतिक प्रक्रिया है।

सिद्धांत 6.4: व्यथा और शिकायतों से निबटने के लिए योजना में आसान और पारदर्शी कार्यवाहियां हैं

सिद्धांत 6.5: देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़, समुदाय में अपनी सेवा के प्रभावी समर्थक हैं और बच्चों व उनके परिवारों के लाभ के लिए दूसरी ऐजन्सियों से सक्रिय रूप से संबंध बनाते हैं

© Australian Government 2004.
This document is an extract from the Family Day Care Quality Assurance (FDCQA) *Quality Practices Guide* (2nd edition, 2004) published by the National Childcare Accreditation Council (NCAC) Inc.

सिद्धांत 6.1
प्रबंधक वर्ग के चलन नैतिक हैं और संबंधित कानून के आधीन काम करती हैं

जबकि आस्ट्रेलिया भर में पारिवारिक दैनिक देखभाल का ढांचा व संचालन अलग अलग है, सभी योजनाओं, सेवा प्रचालकों को कई प्रकार की कानूनी व जवाबदेही जिम्मेदारियों को पूरा करना होता है जो कि बच्चों के लिए उच्च कोटि की सेवा के प्रावधान के लिए मूलभूत है। इनमें निम्न शामिल हो सकती हैं :

- राज्य व क्षेत्रीय शिशु सेवा कानून का उस जगह पालन,जहां पर यह विद्यमान है, या *पारिवारिक दैनिक देखभाल के राष्ट्रीय मानकों (National Standards for Family Day Care)** का उस जगह, जहां पर कोई पारिवारिक दैनिक देखभाल लाईसेंस का अधिनियम नहीं है
- आस्ट्रेलियन सरकार से प्राप्त धनराशि का उत्तरदायित्व
- यह सुनिश्चित करना कि प्रबंधक समिति के सदस्य स्टाफ़ व देखभालकर्ता योजना के संचालन च इसमें काम करने के लिए उपयुक्त व्यक्ति हैं।
- संस्था या निगम कानूनों के आधीन कर्तव्यों को पूरा करना
- संबंधित औद्योगिक वेतनों और समझौतों का पालन
- संबंधित गोपनीयता के कानून का पालन
- संबंधित स्वास्थ्य रिकार्ड कानून का पालन
- व्यावसायिक स्वास्थ्य व सुरक्षा कानून व निर्देशनों को मानना

प्रबंधक वर्ग का यह उत्तरदायित्व यह सुनिश्चित करना है कि देखभालकर्ता व संयोजक यूनिट स्टाफ़ को उनके कार्य के वातावरण को प्रभावित करने वाले सभी मामलों पर उचित व समय पर जानकारी दी जाए और उन्हें उत्तरदायित्व की अपेक्षाओं को पूरा करने का समर्थन दिया जाए। संयोजक यूनिट स्टाफ़ का यह भी उत्तरदायित्व है कि परिवारों को उनके लिए उपलब्ध कई प्रकार की अधिकारों की जानकारी प्रदान की जाए।

योजना की एक सम्मत आचरण संहिता है जो देखभालकर्ताओं, संयोजक यूनिट स्टाफ़ व प्रबंधक वर्ग पर लागू होती है। यह संहिता सभी दलों के परस्पर व योजना का प्रयोग कर रहे परिवारों व बच्चों के प्रति उत्तरदायित्व को स्पष्ट रूप से बताती है।

* उन राज्यों व क्षेत्रों में जहां पारिवारिक दैनिक देखभाल के लाईसेन्स के कोई अधिनियम नहीं हैं, वहां पारिवारिक दैनिक देखभाल के राष्ट्रीय मानक सेवाओं को उनकी देखभाल में आए बच्चों के संरक्षण व सुरक्षा को निश्चित करने को लागू करने के लिए आधार-रेखा प्रदान करते हैं। कृपया परिवार व समुदाय सेवा विभाग (FACS) की *शिशु देखभाल सेवा पुस्तिका* देखें (इसे FaCS की वैबसाईट www.facs.gov.au/childcare से प्राप्त किया जा सकता है)

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 6.2

योजना सभी दावेदारों के साथ परामर्श व मिल कर कार्य करती है

एक योजना का प्रबंधन एक मालिक, एक प्रबंधक, प्रबंधक समिति, स्थानीय सरकार या दूसरी संस्था द्वारा किया जा सकता है। योजना के प्रबंधन को सुगम बनाया जा सकता है जब प्रबंधक वर्ग के प्रतिनिधियों को शिशु देखभाल सेवा प्रदान करने का अच्छा ज्ञान व समझ हो और वे संयोजक यूनिट स्टाफ़, देखभालकर्ता और योजना में आए बच्चों के परिवारों के साथ सच्ची सहभागिता के साथ काम करते हैं।

योजना का दर्शन मूल्यों व विश्वासों का लिखित विवरण है जो प्रबंधक वर्ग, संयोजक यूनिट स्टाफ़, देखभालकर्ताओं व परिवारों के लिए महत्त्वपूर्ण है। यह प्रबंधक वर्ग व स्टाफ़ द्वारा किए गए फैसलों को मजबूत करता है जिनमें लक्ष्य स्थापना और नीतियों का विकास शामिल है। योजना की विचारशैली इस दिन प्रति दिन के चलन को निर्देशित करता है।

इस विचारशैली का विवरण योजना के निम्न मूल्यों व विश्वासों के बारे में बताता है :

- बच्चे - उनका विकास और उनके सीखने का ढंग; जिस तरीके से बच्चों की देखभाल की जाएगी और कैसे उनके शिक्षण को प्रोन्नत किया जाएगा; जिस तरीके से अतिरिक्त जरूरतों व अपंगता वाले बच्चों को शामिल किया जाएगा, और सभी बच्चों की देखभाल के लिए वांछित परिणाम
- परिवार - उनके बच्चों की जिन्दगी में उनका महत्त्व; योजना में उनका सम्मिलित होना; और योजना द्वारा उनकी संस्कृति व विश्वासों की समझ, स्वीकृति व महत्त्व दिया जाना
- संयोजक यूनिट स्टाफ़ व देखभालकर्ता - सेवा में और बच्चे की जिन्दगी में उनकी भूमिका
- प्रबंधक वर्ग - संयोजक यूनिट स्टाफ़, देखभालकर्ताओं, बच्चों और परिवारों व स्थानीय समुदाय के साथ उनके संबंध
- समानता व सामाजिक न्याय जैसे मामले

योजना की विचारधारा, नीतियां और कार्यविधियां संभवतः परिवारों के मूल्यों व आशाओं पर पूरा उतर सकती हैं यदि प्रबंधक वर्ग, संयोजक यूनिट स्टाफ़, देखभालकर्ता और परिवार उनके विकास व नियमित रूप से पुनर्विचार में योगदान दें।

प्रभावशाली होने के लिए, योजना की विचारधारा का विवरण, नीतियों व कार्यविधियों का ज्ञान सभी दावेदारों को उपलब्ध होना चाहिए, समझ आना चाहिए व उपयोग किया जाना चाहिए।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 6.3
रिकार्डों के प्रबंध के लिए योजना की एक कुशल, प्रभावी व नैतिक कार्यविधि है।

जिस तरह व्यक्तियों के लिए कर व अन्य रिकार्डों का एक विशेष समय तक रखा जाना आवश्यक है, पारिवारिक दैनिक देखभाल के रिकार्डों को रखा जाना भी यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि योजना अपने कानूनी कर्त्तव्यों को पूरा कर रही है, और देखभालकर्ताओं, संयोजक यूनिट स्टाफ़ व बच्चों को कानूनी कार्यवाही होने से बचाया जा सकता है।

एक प्रभावी योजना रखे जाने वाले रिकार्डों के बारे में स्पष्ट नीतियां व कार्यविधियां विकसित करती हैं जिनमें निम्न के बारे में जानकारी शामिल है :

- इकट्ठी की जाने वाली जानकारी किस प्रकार की है
- रिकार्डों को निश्चित रूप से रखने की अवधि
- रिकार्डों को कहां रखा जाना चाहिए
- रिकार्डों को कैसे प्राप्त किया जा सकता है
- रिकार्डों में कैसे सुधार किया जा सकता है
- विश्वस्तता व गोपनीयता
- संबंधित कानून की अपेक्षाओं का पालन
- मीडिया की पूछताछ से कैसे निपटा जाए

यह महत्त्वपूर्ण है कि देखभालकर्ताओं, स्टाफ़ व परिवारों को रिकार्डों से संबंधित योजना की नीतियों व कार्यविधियों के बारे में सूचना दी जाए। संयोजक यूनिट स्टाफ़, देखभालकर्ताओं और परिवारों को सलाह दी जाती है कि वो चाहें तो उनके अपने बारे में या उनके बच्चों के रिकार्ड की प्रतियों को देख व प्राप्त कर सकते हैं।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)

सिद्धांत 6.4
व्यथा और शिकायतों से निबटने के लिए योजना में आसान और स्पष्ट कार्यवाहियां हैं

एक खुली बातचीत की संस्कृति का होना, जिसमें देखभालकर्ता, संयोजक यूनिट स्टाफ़ व परिवार योजना की रीति पर टिप्पणी कर सकते हैं और प्रबंधक वर्ग के फैसलों को प्रभावित कर सकते हैं, इस योजना को संभावित चिन्ताओं से अवगत करा सकती है इससे पहले कि वे औपचारिक कष्टों व शिकायतों में परिवर्तित हो जाऐं।

शिकायतों का अच्छी तरह से निपटारा व सुलझाया जाना सेवा के स्तर पर होता है। परिवार व देखभालकर्ता चिन्ताऐं उठाने को ले कर बहुत ज्यादा व्याकुल हो सकते हैं, इस डर से कि यदि वे शिकायत करते हैं तो उन्हें या उनके बच्चों को नुकसान हो सकता है। कष्ट व शिकायतों से निपटने की आसान व स्पष्ट कार्यविधियां जो स्पष्ट रूप से लेखबद्ध हैं और निरन्तर लागू की जाती हैं इन व्याकुलताओं को पूरा करने में मदद कर सकती हैं।

कष्टों व शिकायतों को नाकारात्मक ढंग से नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में मसलों के उठते ही उन पर चर्चा करने से योजना के चलन के कई प्रकार के तरीकों से इकट्ठा करने का अवसर प्रदान होता है और सेवा को सुधारने में महत्त्वपूर्ण योगदान मिलता है।

शिकायतों व कष्टों से प्रभावशाली ढंग से निपटने के कदमों में शामिल हैं :

- जितना जल्दी हो सके समस्या को हल किया जाए
- यह फैसला करना कि किसे शामिल किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए देखभालकर्ताओं व स्टाफ़ को जितना जल्दी हो सके अनौपचारिक शिकायतों को सुलझाने का अधिकार देना
- स्पष्ट रूप से समस्या की व्याख्या करना
- कार्यों व संभावित हलों को सूत्रबद्ध करना
- लाभ व हानि को जांचना
- कार्यवाही पर फैसला करना
- प्रगति पर पुनर्विचार के लिए तिथि निश्चित करना
- योजना की नीति व कार्यविधि के परिणामों का मूल्यांकन व आवश्यक सुधार करना

प्रभावशाली ढंग से शिकायतों से निपटने की कार्यविधियों के लक्षण :

- देखभालकर्ताओं व स्टाफ़ का सकारात्मक रूख हो और वे शिकायतों को परिवारों के विचारों व जरूरतों को समझने के मौके के रूप में देखें
- परिवारों को विश्वास हो कि उनकी चिन्ताओं को विश्वस्त, शीघ्र व उनके बच्चे को बिना नुकसान पहुंचाए देखा जाएगा
- स्टाफ़ व देखभालकर्ता, परिवारों के साथ योजना की शिकायतों से निपटने की कार्यविधि की व्याख्या करते हैं व उसकी एक प्रति उनको देते हैं
- परिवारों को उनकी चिन्ताओं को पहचान करने व स्पष्ट करने में मदद दी जाती है
- सभी शिकायतों को स्वीकार किया जाता है
- परिवारों, देखभालकर्ताओं व स्टाफ़ के मध्य हुई बातचीत को हर कदम पर लेखबद्ध किया जाता है।

© Australian Government 2004

सिद्धांत 6.5

देखभालकर्ता और संयोजक यूनिट स्टाफ़, समुदाय में अपनी सेवा के प्रभावी समर्थक हैं और बच्चों व उनके परिवारों के लाभ के लिए दूसरी ऐजन्सियों से सक्रिय रूप से संबंध बनाते हैं

एक पारिवारिक दैनिक देखभाल योजना का अकेले आस्तित्व नहीं होता और अक्सर स्थानीय समुदाय की बहुत सी उन सेवाओं में से एक होती है जो बच्चों व उनके परिवारों के साथ काम करते हैं।

सही लक्ष्य पर दी गई जानकारी व इसे प्रोन्नत करने की रणनीतियां स्थानीय समुदाय के विभिन्न प्रकार के परिवारों को पारिवारिक दैनिक देखभाल योजना का प्रयोग करने के लिए उत्साहित कर सकती हैं और संभावी देखभालकर्ताओं व स्टाफ़ को भी आकर्षित कर सकती हैं। प्रभावशाली प्रोत्साहक सामान स्पष्ट व साधारण अंग्रेज़ी में लिखे जाते हैं और जहां उचित हो, स्थानीय समुदाय में प्रयोग होने वाली मुख्य घरेलू भाषाओं में अनुवाद किए जाते हैं।

रोज़गार के ढांचे में परिवर्तन, उम्र का वितरण व स्थानीय समुदाय में आने वाले नए परिवारों की संख्या, शिशु देखभाल की मांग को प्रभावित कर सकती है। अन्य सामुदायिक संस्थाओं के साथ संबंध विकसित कर, जानकारी को आपस में बांट कर और अन्य संगठनों से मिल कर कार्य करके, योजना एक संयोजित व लचीला प्रत्युत्तर को सुनिश्चित कर सकती है जो स्थानीय समुदाय में लगातार बदलती शिशु देखभाल की जरूरतों को पूरा करता है।

© Australian Government 2004
Extract from the FDCQA *Quality Practices Guide* (2004)